तरुण भारत संघ

प्रगति प्रतिवेदन

2001-02

तरुण भारत संघ

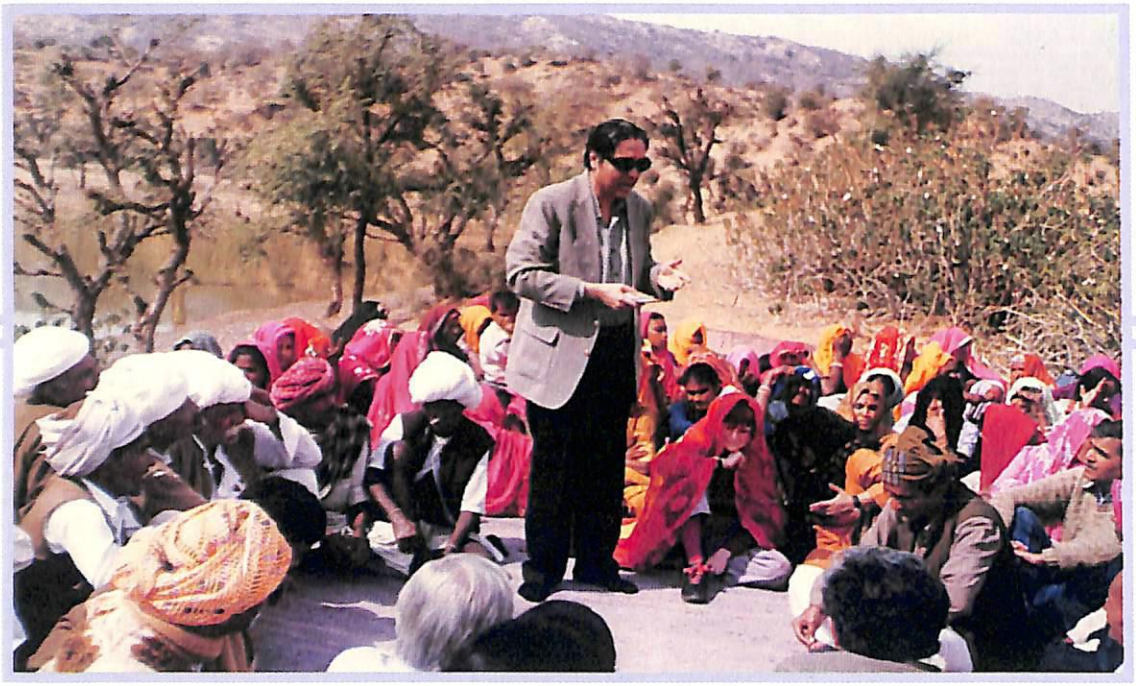

प्राक्कथन

वर्ष 2001-2002 तरुण भारत संघ (तभासं) के कार्यों के व्यापक विस्तार का वर्ष है। इस वर्ष देश भर के सत्तर हजार से अधिक व्यक्तियों ने तभासं के कार्यक्षेत्र का भ्रमण किया। तभासं की पहल से साधु-संतों ने पानी की चेतना फैलाने हेतु पदयात्राएं कीं व पानी के लिए सर्वधर्म सम्मेलन हुए। मारवाड़ एवं बीकानेर में जल संरक्षण के नये कार्य तभासं की अगुवाई में शुरू हुए। आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार, उत्तरांचल, हिमाचल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों की सरकारों ने तभासं के कार्यक्षेत्र को देखने हेतु अपने अधिकारी भेजे । उन्होंने कार्य देखकर अपने प्रदेश में लौटकर इस दिशा में कुछ अच्छे कार्य शुरू किये। इस प्रकार जल संरक्षण के अनुकूल वातावरण का निर्माण शुरू हुआ। आज जल सहेजने का कार्य सरकार तथा समाज में बहुत चर्चित हुआ है। अब समाज भी जल बचाना पहला जरूरी काम मानने लगा है।

जल बचाने की मान्यता हमारी पुरानी विरासत व परम्परा है। इसकी अब पुनः प्रतिष्ठा करने के साथ-साथ पानी के स्रोतों को पुनर्जीवित करना शुरू हो गया है। देशभर में जगह-जगह से वनवासी, ग्रामवासी, आदिवासियों ने मिलकर यह काम शुरू किया है। बडवानी जिले में ऐसे 18 काम हुए हैं। इस प्रकार देश के अन्य कई जिलों में भी ऐसा ही काम चालू हुआ है। ये कार्य ग्रामवासियों की पहल से ही प्रेरणादायी बने हैं। इसी तरह ग्रामीणों का आत्मविश्वास, आत्मगौरव बढ़ता है। यह प्रक्रिया समाज को अपना पानी का काम स्वयं करने का अहसास व आभास करा देती है तभी तो लावा का बास जैसे हजारों जोहड़-बांध बन गये हैं। इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी अब बहुत से लोकाभिक्रम जल संरक्षण के लिए शुरू हो गये हैं।

इस वर्ष देश भर में हो रहे जल संरक्षण कार्यों को बढ़ाने हेतु उन्हीं के कार्यक्षेत्रों में जाकर उन्हें सम्मानित करके उनके प्रयासों को आगे बढ़ाया है। उड़ीसा, उत्तरांचल, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के ऐसे जन अभिक्रमों को चलाने वाले कार्यकर्ताओं को पर्यावरण प्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया है। देशभर की सैकड़ों संस्थाओं को जोड़कर जल संरक्षण कार्यों में तभासं ने मदद की है। तभासं के साथ जुड़े व्यक्तियों को इस वर्ष मैगसेयसेय पुरस्कार, दिवाली बैन मेहता, गोदावरी-गौरव जैसे अनेक अन्तर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए हैं। हमें उम्मीद है हमारी संस्था का कार्य इसी प्रकार और अधिक गहराई से व्यापक विस्तार पायेगा।

तभासं ने जल संरक्षण प्रयासों से भारत की व इसके राज्यों की जल नीति पर प्रभाव डाला है। इससे जल संरक्षण एवं जल के उपयोग व दोहन से संबंधित विचारों व

अनुभवों को पिछले तीन वर्षों से भारत भर के नागरिकों, ग्रामीणों, अधिकारियों, राजनेताओं व इंजीनियरों के साथ जल-नीति पर संवाद शुरू करवाया है। साथ ही केन्द्रीय राज्य जल संसाधन मंत्री एवं जल संसाधन मंत्रालय के अधिकारियों को तभासं के प्रत्यक्ष कार्य दिखा कर उनकी जल नीति में गरीबों व महिलाओं के हितों को प्राथमिकता दिलाने का प्रयास किया है।

तभासं ने राष्ट्रीय एवं राज्यों की जल-नीति का गहराई से अध्ययन किया तथा उसमें गरीबों व महिलाओं के हितों का ध्यान रखते हुए आवश्यक व आधारभूत परिवर्तनों एवं संशोधन करने का सुझाव दिया है। देशभर में पानी के अधिकारों के बारे में सोचने हेतु समाज को विवश किया है। तभासं द्वारा प्रस्तावित जल-नीति को भारत की राष्ट्रीय जल-नीति में भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। राज्यों की जल-नीति में भी तभासं के जल सम्बन्धित विचारों को स्थान दिया जा रहा है। अब तभासं भारत सरकार की जल-नीति की क्रियान्वयन प्रक्रिया में भी जुटा है।

तभासं चाहता है कि देशभर में जल-संचय के बारे में लोग जागरूक हों तथा जन सहभागिता द्वारा अधिक से अधिक जल संरक्षण कार्य बढ़े। यह एक प्रसन्नता की बात है कि देशभर के अधिकतर राज्यों ने अपनी जल-नीति के प्रस्तावित प्रारूप की प्रतियां जल बिरादरी के जयपुर कार्यालय को भेजकर उस पर गहन संवाद की शुरुआत की है। कर्नाटक, म.प्र., आ.प्र. आदि राज्यों ने अपनी जल-नीति के प्रारूप में अधिकतर उन शब्दों का उपयोग किया है जो तभासं के पानी के कामों से जुड़े हुए हैं।

तभासं ने महाराजा जोधपुर के साथ मिलकर ''जल-भागीरथी फाउण्डेशन'' नामक संगठन की इस वर्ष स्थापना की है। जल-भागीरथी फाउण्डेशन की स्थापना कराके राजस्थान के मारवाड़ क्षेत्र (जोधपुर, नागौर, बाड़मेर, जालोर, पाली, सिरोही व जैसलमेर) जैसे सबसे कम वर्षा वाले क्षेत्र में जन सहभागिता द्वारा बरसात के पानी को रोकने हेतु लोगों को प्रेरित किया है। जल-भागीरथी का मुख्य उद्देश्य है कि मारवाड़ जैसे शुष्क क्षेत्र में भी तभासं द्वारा अब तक किये गये संगठनात्मक एवं जल संरक्षण के रचनात्मक कार्यों की पुनरावृत्ति की जा सके तथा इस कार्य को और ज्यादा फैलाया जा सके। तभासं ने जल-भागीरथी फाउण्डेशन के माध्यम से अब तक इस क्षेत्र में सैकड़ों कामों की तैयारी की है, जिनमें से लगभग 18-20 काम पूरे हो चुके हैं। इन सभी कामों में एक-तिहाई से लेकर आधे से अधिक तक जन-सहयोग मिला है जो कि एक सकारात्मक कदम है।

तरुण भारत संघ
वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन
2001-2002

"तरुण भारत संघ" संस्था द्वारा किये जा रहे ग्रामीण विकास व ग्राम स्वावलम्बन कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने विभिन्न प्रकार की परियोजनाओं में अपना सहयोग प्रदान किया है, जिससे संस्था ने अपनी ग्रामीण विकास की अवधारणा के अनुरूप ग्रामीण लोक शक्ति को पूर्ण सहयोग देकर देश के स्थाई विकास में जनसहभागिता के महत्व की राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान कराकर पूरे विश्व के सामने एक उदाहरण पेश किया है।

इस वर्ष (2001-2002) में ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं ने इस प्रकार सहयोग दिया है :

क्र.सं.	अनुदान देने वाली संस्थाएं	देश का नाम	उद्देश्य
1.	यू.एन.डी.पी. व ग्रामीण विकास मन्त्रालय भारत सरकार	नई दिल्ली	महिला सशक्तिकरण द्वारा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन
2.	सीडा (दिल्ली)	स्वीडन	जल संरक्षण कार्यक्रम
3.	फोर्ड फाउण्डेशन (दिल्ली)	अमेरिका	जल संरक्षण, जनजागृति व अध्ययन कार्यक्रम
4.	ऑक्सफेम (इण्डिया) ट्रस्ट	अहमदाबाद	राष्ट्रीय जल नीति
5.	आयरलैण्ड एम्बेसी (दिल्ली)	आयरलैण्ड	जल संरक्षण कार्यक्रम
6.	इन्टरनेशनल सर्विस सोसायटी (मुम्बई)	अमेरिका	अकाल राहत कार्यक्रम
7.	पी.एच.डी.आर.डी.एफ.	नई दिल्ली	जल संरक्षण कार्यक्रम
8.	केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड	नई दिल्ली	शिशु पालना गृह कार्यक्रम
9.	कपार्ट	नई दिल्ली	अकाल राहत कार्यक्रम
10.	देश के दानदाताओं से सहयोग		ग्रामीण विकास के कार्य एवं जन चेतना कार्यों के लिए

''जल संरक्षण अभियान''

संस्था के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने राजस्थान व देश के अन्य राज्यों में गत चार वर्षों से बढ़ते जल संकट को देखते हुए ''जल संरक्षण'' के लिए देश भर में विशेष प्रकार के कार्यक्रमों को शुरू किया है, इसके लिए पूरे देश में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाली संस्थाओं, उद्योगपतियों, सरकारी विभाग, देश के राजनैतिक प्रतिनिधि, देश के जाने-माने बुद्धिजीवी जो देश के प्राकृतिक जल संसाधनों के विषय में गहरी समझ रखते हों, सभी का सहयोग लेकर देश में एक वातावरण बनाया है। जिससे जल संरक्षण का महत्व आम जन की सहभागिता से आगे बढ़े और बार-बार के अकाल से देशवासियों को बचाया जा सके। जहाँ-जहाँ समाज ने जल संरक्षण कार्य किया है, वे गाँव सूखा-अकाल-बाढ़ मुक्त हुए हैं।

इस प्रकार के सोच-विचार से ''जल संरक्षण अभियान'' चलाने के लिए कई मुद्दे सामने हैं :

1. जल संरक्षण के लिए देश में वैचारिक वातावरण बनाना।
2. जल संरक्षण कार्यक्रम से सम्बन्धित एक मंच बनाना।
3. जल संरक्षण में जन सहभागिता को बढ़ाना।
4. राष्ट्रीय जल नीति देश की जनता की जरूरत के अनुरूप बने।
5. जल संरक्षण के लिए अधिक से अधिक रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देना।
6. देश के विकास में लगे विभिन्न संगठन एवं साधुसमाज को सहयोग देकर उनका रुझान इस दिशा में पुन: बढ़ाना।
7. राष्ट्र की युवा शक्ति को भावी जल संकट का भान कराना व जल संरक्षण के उपाय बताना साथ ही उन्हें इस दिशा में क्रियाशील बनाना।

उपरोक्त सभी मुद्दों पर गहन विचार के आधार पर एक रूपरेखा तैयार की गई, जिसके लिए संस्था के सभी साथियों ने अपने-अपने स्तर से कार्य प्रारम्भ कर दिये, जिससे संस्था के पुराने कार्यक्षेत्र व पूरे देश में एक अपनी तरह का अनोखा वातावरण जल संरक्षण की दिशा में बनाना शुरू हुआ।

''जल संरक्षण के लिए वैचारिक वातावरण बनाना''

संस्था के 17 सालों के कार्यकाल में ग्रामीण विकास के ग्रामीण सोच से उपजे विचारों के आधार पर जन सहभागिता, जल संरक्षण व अन्य कार्यों के अनुभव से वैचारिक परिपक्वता को बढ़ावा मिला। गांव के प्राकृतिक संसाधनों व अन्य विकास कार्यों के लिए ग्राम सभाओं का गठन किया गया। क्षेत्र में सरिस्का बचाओ समिति, अरवरी संसद, जोहड़ बचाओ समिति जैसी छोटे-छोटे क्षेत्रीय जन संगठनों के आधार पर प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन व जल-जंगल-जमीन संरक्षण की भावना एवं पारस्परिक रिश्तों और मूलभूत आवश्यकताओं को गहराई से समझा और कार्य किया जिससे क्षेत्रीय नदियों में वर्ष भर पानी रहने लगा। जगह-जगह जोहड़ व नदियों में पानी रहने से क्षेत्र में समृद्धि आयी तथा लोक विकास के कार्य हुए जिससे कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। अब पूरे देश में अपने अनुभवों का आदान-प्रदान होता है, जिससे ''जल संरक्षण'' की दिशा में कार्य करने वाली सरकारी, गैर सरकारी संस्था, उद्योगपतियों व बुद्धिजीवियों की संख्या बढ़ी है। देश-विदेश की संस्थाएँ, बुद्धिजीवियों ने हमारे ग्रामीण क्षेत्र में किये गये कार्यों को देखा है तथा जनता से सीधा संवाद किया है, जिससे जल संरक्षण का वैचारिक वातावरण बना है। संस्था के कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में विचार संगोष्ठी, सेमिनार, सम्मेलन, विभिन्न कार्य क्षेत्रों का भ्रमण कराके एवं पत्र-पत्रिकाओं व लेखों की मदद से जल संरक्षण के लिए वैचारिक वातावरण बनाया है।

आन्ध्र प्रदेश में जल संरक्षण सम्मेलन में व्यापक प्रचार प्रसार हेतु जन सभा को संबोधित करते हुए श्री राजेन्द्र सिंह

''जल बिरादरी''

जल बिरादरी का गठन निम्मी गाँव के सम्मेलन में हुआ। तरुण भारत संघ द्वारा बुलाये गये इस सम्मेलन में जल बचाने वालों का एक भाईचारा मंच बन गया। जल बिरादरी ऐसे व्यक्तियों, समूहों का संगठन है जो मूलत: पानी बचाने के काम को जन आंदोलन बनाने के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं राज्यों के स्तर पर जनपक्षीय जलनीति बनवाने के लिए प्रयासरत है। यह नेटवर्क नहीं बल्कि देशभर में जल बचाने एवं लोगों को जागरूक करने वाला एक जलपरिवार है। जहाँ सभी ने अपनेपन के भाव से मिलकर जल बचाने के कार्य को तेज किया।

निम्मी ग्राम में प्रथम राष्ट्रीय जल बिरादरी सम्मेलन में चुने गये प्रान्तीय जल बिरादरी अध्यक्ष

इस सम्मेलन में प्रान्तीय व राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वालों के प्रतिनिधि चुने गये, जिन्होंने पूरे देश में जल बिरादरी के बैनर से जल संरक्षण के कार्यों को जनता के बीच ''फैलाया''। सूखा-बाढ़ प्रभावित राज्यों में जल बिरादरी पूर्ण रूप से सक्रिय है। यह संगठन अपने-अपने क्षेत्रों में अपनी-अपनी समस्याओं को देखते हुए कार्य कर रहा है। देश में बढ़ते जल संकट को देखते हुए तथा साल दर साल के अकाल ने पूरे देश के आगे एक चुनौतीपूर्ण समस्या के समाधान के लिए ''जल संरक्षण'' संवर्द्धन देश के विकास कार्यों, जीवन यापन करने के लिए अति आवश्यक है। इस मान्यता वाले लागों का ही संगठन जल बिरादरी है, जिसमें बिना राजनीति के जो अपने-अपने तरीकों से जल संरक्षण के कार्यों में लगे हैं। चाहे वे अपने गांव में ग्रामवासियों के साथ मिलकर छोटे-छोटे जल संरक्षण की संरचनाओं का निर्माण करते हैं या गाँव की परम्परा व गाँव के संसाधनों को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। स्वयं सेवी संस्थाएँ पूरे देश में अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में ''जल संरक्षण'' का कार्य कर रही हैं। पानी की समस्या को देश के सामने रखने वाला प्रबुद्ध वर्ग, राजनैतिक, देश का प्रतिनिधित्व करने वाले ऐसे लोगों को जिनकी रुचि देश के बढ़ते जल संकट की समस्याओं का समाधान करने वालों का मंच है। यह अपने विचारों से केन्द्रीय सरकार व राज्यों की सरकारों को भी अवगत करा रहा है जिससे ''लोक हितार्थ'' सरकारें अपनी-अपनी जन कल्याणकारी जलनीति बनाकर देश में अधिक से अधिक जल संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा दें, ऐसा कार्य हो रहा है।

''राष्ट्रीय जल नीति''

देश में बढ़ती जल संकट की समस्याओं को हल करने के लिए हमारी राष्ट्रीय जल नीति की भी अहम् भूमिका होती है। प्रत्येक राज्य की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखकर बनाई जाने वाली इस नीति के क्रियान्वयन से आशान्वित परिणाम सामने आयेंगे, इस नीति से जनकल्याण के साथ-साथ देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। हमारा देश विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों वाला देश है। इसमें विभिन्न भूसांस्कृतिक क्षेत्र हैं। पूरे राष्ट्र की जल नीति का निर्धारण स्थानीय भूसांस्कृतिक क्षेत्रों के अनुसार हो। राष्ट्रीय जल नीति में सभी भूसांस्कृतिक क्षेत्रों के प्रत्येक प्राणी की जरूरतों को ध्यान में रखा जायेगा, तभी हमारी जल नीति सफल हो सकती है। तरुण भारत संघ संस्था ने पिछले दो साल से पूरे देश में राष्ट्रीय जल नीति के उन प्रावधानों को लेकर चिन्ता व्यक्त की है, जिससे आम नागरिक को अपने मूल-भूत अधिकारों से वंचित होना पड़ता। संस्था के महामंत्री, अध्यक्ष व अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने देश के सरकारी, गैरसरकारी, ग्रामीण क्षेत्र व शहरी क्षेत्र की जनता जल नीति के विशेषज्ञ व प्रबुद्ध जनों के साथ देश के विभिन्न राज्यों में जाकर लगातार संवाद किया है तथा केन्द्रीय सरकार के जल संसाधन मंत्री के साथ भी राष्ट्रीय जल नीति को लेकर विचार-विमर्श किया गया है। मन्त्रालय ने सन्तुष्टिपूर्ण आश्वासन भी दिये हैं। पर 1 अप्रैल, 2002 को माननीय प्रधानमन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की अध्यक्षता में जो राष्ट्रीय जल नीति का प्रारूप प्रस्तुत हुआ है, वह प्रधानमन्त्री के अभिभाषण के अनुसार नहीं है। भारत की जल नीति प्रधानमन्त्री अभिभाषण के अनुसार हो, जो देश के हर नागरिक की पानी की प्यास मिटा सके। इस तरफ ध्यान लाने का काम भी हुआ है।

''जन सहभागिता को बढ़ावा देना''

आज समय हाथ पर हाथ रख कर बैठने का नहीं है न ही सूखा, अकाल, जल संकट का अलाप करने का है। यह संकट प्राकृतिक होते हुए भी जनतंत्र की जल के संरक्षण में आयी दिशाहीनता का भी है। इसमें सबसे अधिक समाज की सामूहिक कार्य करने की अकर्मण्यता के बढ़ने से जल संकट की समस्याएं सामने आयी हैं। हमारे देश की क्षेत्रीय भौगोलिक परिस्थितियां अलग-अलग हैं। यहाँ एक तरफ लोग बाढ़ से प्रभावित रहते हैं तो दूसरी तरफ अकाल से, जिससे देश में जन धन की भारी हानि होती है।

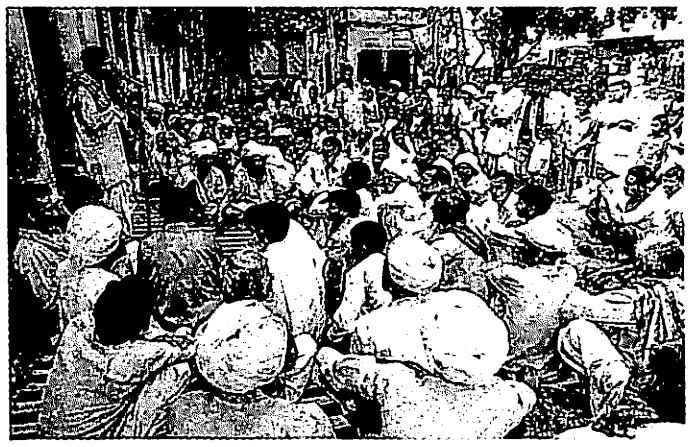

जल संरक्षण हेतु जन सहभागिता बढ़ाने का प्रयास करता थानागाजी क्षेत्र का समाज

समाज की सरकारी योजना व सरकारी तन्त्र पर बढ़ती निर्भरता तथा जन सामूहिकता के कार्यों में समाज की उदासीनता को देखते हुए, सामाजिक कार्यों के प्रति जनसहभागिता के विचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, समाज में सामाजिक कार्यों के प्रति प्रत्येक वर्ग के लोगों की आवश्यकता होती है। जल संकट की भी ऐसी ही एक समस्या है। इसमें भी हर वर्ग के लोगों के सहयोग के बिना जल संरक्षण व संवर्धन का कार्य नहीं हो सकता है, इसीलिए समाज में जन सहभागिता का विचार फैलाने हेतु अपने-अपने स्तर से जल संकट के निवारण में अपना सहयोग तरुण भारत संघ के कार्यकर्ताओं, महामंत्री, अध्यक्ष सब ने मिलकर दिया है। तरुण भारत संघ का 17 वर्षों का अनुभव है, जहाँ समाज ने जल सहेजा है, वहाँ बाढ़ और अकाल की तबाही से मुक्ति मिली है।

''जल संरक्षण के लिए रचनात्मक कार्य''

देश के बढ़ते जल संकट को देखते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के पारम्परिक तरीकों को पुन:जीवित करना होगा तथा जल संरक्षण के लिए क्षेत्र की परिस्थिति अनुसार जल सहेजने का कार्य करना होगा। जो भी गाँव जल सहेजने के कार्यों पर धन व्यय करेगा, वह जन उपयोगी होगा। यही विकास में साधक होगा। इसलिए तरुण भारत संघ ने या जो भी जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य किये, पूरी तरह क्षेत्र की पारम्परिक जल संरक्षण परम्पराओं के अध्ययन व विश्लेषण के आधार पर ही अधिक से अधिक संरचनाओं का निर्माण किया है। इसीलिए समाज के अपने कार्यानुभव से आत्मगौरव व आत्मविश्वास बढ़ गया है।

तभास के अध्यक्ष श्री अनुपम मिश्र व महामंत्री राजेन्द्र सिंह मध्य प्रदेश के गांवों में जल संरक्षण के पारम्परिक तरीकों का निरीक्षण करते हुए

''देश के उद्योगपतियों की जल संरक्षण में भागीदारी''

किसी भी देश की मूलभूत समस्याओं के निवारण में वहाँ के उद्योगपतियों की अहम् भूमिका होती है। शिक्षा के विकास, रोजगार के साधन व धार्मिक आस्था बनाये रखने के लिए धार्मिक स्थलों को भी पानीदार बनाने का प्रयास किया है। समाज को संकटकालीन परिस्थितियों में सहायता देकर पुन:जीवित रखना, जिससे देश के उत्थान की गति बनी रहे, आज हमारे

उद्योगपति घरानों को भी यह महसूस कराने की एक कोशिश है कि अब देश में जन कल्याण कार्यों के लिए समाज को पानी की आवश्यकता है। पानी ही पुण्य कार्य है। देश के जल संरक्षण में उद्योगपतियों को भागीदार बनाकर उनको साथ लेकर जन भागीदारी से देश के जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा दिया है। आज के समय की अति आवश्यकता है जो लोगों व जीव-जन्तुओं की प्यास मिटा सकेगा वह उनके प्राणों की रक्षा कर सकेगा इससे हमारा समाज अकाल की विभीषिका से बच सकता है। उद्योगपतियों को हमारा देश महाजन कहता है इसलिए उन्हें महान कार्यों में ही सहयोग देना जरूरी है।

पी.एच.डी.(आर.डी.एफ.) दिल्ली के अध्यक्ष श्री पी.के. राजगढ़िया गांव लावा का बास में ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए

इस वर्ष संस्था के जल संरक्षण कार्यों से प्रभावित होकर देश के विभिन्न उद्योगपति घरानों ने देश में अपने-अपने स्थानों व संस्था के द्वारा चयनित क्षेत्रों में जल संरक्षण के कार्य किये हैं। बहुत से छोटे व बड़े पूंजीपतियों ने जल संरक्षण के कार्य करने की मंशा जाहिर की है जिससे देश में एक पुरानी परम्परा के अनुसार पुनः समाज कार्य करने की प्रवृति को बल मिल रहा है। यह देश के लिए एक शुभ संकेत है।

''देश के विकास में लगे विभिन्न संगठन एवं साधु समाज का सहयोग''

आज देश के विकास में स्वयं सेवी संगठन अपने-अपने तरीकों से क्षेत्रीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए देश की गरीब व ग्रामीण क्षेत्रों की जनता के बीच जाकर विकास के कार्य में प्रवृत हुए। स्वास्थ्य, पुनर्स्थापन, बाढ़पीड़ित, अकाल पीड़ितों के लिए कार्य, रोजगार आदि अकाल के समय ग्रामीण क्षेत्र के लिए सबसे अधिक संकटकाल वर्षा का न होना होता है जिससे गाँव की पूरी आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है। इस अकाल के समय कोई भी व्यक्ति अपने को सुरक्षित नहीं समझता है। उसके सामने अनेक समस्याएं होती हैं। इससे सारे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। गत चार वर्षों से पड़ने वाले सूखे से निजात पाने के लिए अकाल प्रभावित राज्यों के स्वयंसेवी संगठन आगे आये हैं। तरुण भारत संघ ने देश के छोटे-बड़े कुछ स्वयं सेवी संगठनों को अपने कार्यक्षेत्र में जल संरक्षण कार्य करने का पूरे वर्ष प्रशिक्षण दिया है तथा उनके जल संरक्षण कार्यों को वैचारिक, जनशक्ति, सहयोग देकर जल संरक्षण कार्यों में लगाया है। समाज में जागृति लाने, वैचारिक आध्यात्मिक व समाज के शुभ कार्यों को करने में साधु-सन्तों का बहुत बड़ा सहयोग है। हमारे समाज में एक आध्यात्मिक महापुरुष के कहने से बड़े से बड़े कार्य सफल हो जाते हैं। यह कार्यकर्ता तो समाज ही है, पर उस कार्य के पीछे एक शुभ दृष्टि रहती है। समाज में जन जागृति करने में साधु-सन्त, मुल्ला-मौलवी, पादरी, पंडित एवं सभी धर्मों के महान पुरुषों के साथ विचार-विमर्श कर उन्हें जल संरक्षण एवं जल संकट मुख्य निवारण की दिशा में कार्य करने का निवेदन किया जाये।

दूदू क्षेत्र के गांव में अकाल मुक्ति के लिए साधु-संत एवं ग्रामवासी पद यात्रा करते हुए

तरुण भारत संघ ने जोधपुर शहर में एक सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य ''जल संरक्षण कार्य में साधु समाज की महत्वता'' पर गहन चिंतन करना था। इस सम्मेलन में देशभर के साधु-सन्तों, मुल्ला-मौलवियों एवं पादरियों ने मिलकर पूरे समाज को जल संरक्षण कार्य के प्रति जागृत करने तथा 560 तालाबों के निर्माण का संकल्प लिया। जल संरक्षण के कार्य में सभी धर्माचार्यों ने सद्भावनापूर्ण सहयोग शुरू कर दिया है।

''देश की युवा शक्ति को जल संकट का भान कराना एवं जल संरक्षण के उपाय बताना''

संस्था के महामन्त्री राजेन्द्र सिंह ने देश के शैक्षिक संस्थानों के आमंत्रण पर युवा शक्ति को जल संकट का भान कराया है तथा भविष्य में देश के गाँव व ग्रामीण जनता के लिए अधिक से अधिक जल पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया है। तरुण भारत संघ द्वारा किये गये जल संरक्षण कार्यों को देखने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले छात्र-छात्राओं को जल संरक्षण कार्यों को प्रत्यक्ष दिखाकर उसी स्थान पर चर्चाएं की हैं। बाहर से आये युवाओं को ग्रामीण विकास के अन्य कार्यों से सम्बन्धित जानकारी भी दी जाती है जिससे युवा शक्ति को ग्रामीण विकास के कार्यों में लगाया जा सके और उनके सामाजिक कार्य करने के विश्वास को दिशा व बल मिल सके।

आशान्वित विचार ''हम सब पानीदार बन सकते हैं''

हम वर्षा की बूंदों को सहेजकर पानीदार बन सकते हैं। प्रकृति ने हमें सब कुछ दिया है। देश का राजस्थान में 10% क्षेत्रफल, एक प्रतिशत वर्षा तथा चार प्रतिशत जनसंख्या हमारे समाज की पानी की कम खपत वाली जीवन शैली, पानी की कम खपत वाला फसल-चक्र तथा हम अपनी श्रमनिष्ठा से वर्षा की बूंदों को सहेज कर अपना जीवन चलाते थे, इन बूंदों से ही ''सिमट-सिमट जल भरहिं तालाब'' इन तालाबों को बनाने वाले भले ही कोई राजा, साधु-संन्यासी, सेठ अथवा गरीब कोई भी हो उस तालाब को समाज तो कृतज्ञतावश महाराजा या महात्मा वाला तालाब कहकर ही सम्बोधित करता था। इन तालाबों से गाँवों-शहरों के नामकरण तक होते थे। ये सबकी मदद से बनते व सबके काम आते हैं, यहाँ से सूरज़ भी पानी नहीं चुराता है। ऐसे तालाब से गाँव तीर्थ बन जाता है। कई जगह तो तालाब को तीर्थ कहते हैं। ऐसे नये तीर्थ बहुत बन रहे हैं। समाज स्वयं बना रहा है। स्वैच्छिक संस्थायें भी ऐसे नये तीर्थ बनाने में मदद करती रही हैं। इनमें भी संस्था, सरकार, समाज सब जुड़े तभी यह सम्भव हुआ है। लेकिन इस काम को आज और अधिक तेजी से करने की जरूरत है।

आज हर सक्षम परिवार अपनी कमाई से एक तालाब बनाने हेतु एक गाँव को आर्थिक मदद दे, अकाल से दु:खी व त्रस्त गाँव इस आर्थिक मदद से अपने गाँव में तालाब बनाकर उसके उत्पादन से अपनी गुजर-बसर करे। मानसून में तालाब भरेगा, तालाब के जल से धरती का पेट भरेगा। कुओं में पानी आयेगा। इस पानी से खेती होगी। हरियाली छायेगी और धीरे-धीरे गाँव अकाल मुक्त बन जायेगा, यह केवल कल्पना नहीं है। तरुण भारत संघ ने अपने कार्यक्षेत्र के कई गाँवों को अकाल मुक्त किया है जो आज देश के सामने एक जलतीर्थ बनकर समाज के चेतना भाव को जागृत कर रहे हैं।

''तरुण भारत संघ द्वारा लोगों को विकास के कार्यों के लिए संगठित करने का जो कार्य किया गया है, उसे देखकर बहुत प्रसन्नता हुई और ऐसा अहसास हुआ कि भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है।''

श्रीमती आशा स्वरूप, संयुक्त सचिव,
केन्द्रीय ग्रामीण विकास मन्त्रालय, भारत सरकार।
(04.1.2002 को त.भा.सं. भ्रमण के दौरान कही)

इस प्रकार के काम में बहुत से दूर के परिवारों ने भी मदद दी है। पहली मदद दिल्ली के आर.एन. मल्होत्रा, सुमन प्रकाशन ने वानसूर तहसील के गाँव गुढ़ा कल्याणपुरा में एक तालाब बनाकर की है। जसवन्त राय, पी.के. राजगढ़िया जी ने भी एक-एक तालाब बनवाकर मदद की है। और भी बहुत से लोगों ने इस कार्य में सहयोग दिया है। इसी प्रकार सूखा व अकाल प्रभावित प्रत्येक गाँव में एक तालाब बनाने के लिए सक्षम और समृद्ध परिवार आर्थिक मदद दें। तालाब के लिए सब मिलकर आगे आवें। गाँव संगठित होकर, इस आर्थिक मदद को प्राप्त करके, उससे रोजी-रोटी प्राप्त करें। साथ ही गाँव वाले भी अपना कुछ श्रमदान देवें। ऐसा करने से गाँव की एकता बनेगी, गाँव में काम करने की ताकत आयेगी। ग्राम स्वावलम्बन बढ़ेगा। ऐसा करने से तालाब में मदद करने वालों को कृतज्ञ समाज अमर बना देगा।

''ग्रामीण विकास कार्यक्रम''

वर्ष 2001-2002 में संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र के ग्रामीण विकास के लिए विभिन्न संस्थाओं के आर्थिक सहयोग से जल संरक्षण, शिक्षा, महिला सबलीकरण, शिशुपालना गृह, आरोग्य तथा पर्यावरण सन्तुलन के कार्य किये हैं।

''जल संरक्षण कार्यक्रम''

संस्था ने राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के आर्थिक सहयोग के साथ-साथ गाँव के जन सहयोग से जल संरक्षण के लिए जोहड़, अरधन बाँध, एनिकट व खेत तलाई आदि का निर्माण किया है। तीन साल के भीषण अकाल में भी अकाल से जूझते ग्रामवासियों ने जल संरक्षण के संसाधनों को अपने-अपने गाँव में बनाने में अपनी पूरी जन-शक्ति, आर्थिक मदद व श्रम शक्ति आदि का सहयोग दिया है। अकाल का मुकाबला करने के लिए अपने-अपने गाँव में जल संरचनाओं को बढ़ाया है, इन संरचनाओं का निर्माण कर ग्रामवासी अकाल की मार को झेलते हुए भी उत्साहित हैं तथा भविष्य में अकाल से बचने के लिए अपनी सामर्थ्य के अनुसार जल संरक्षण के कार्य करना चाहते हैं। इस वर्ष संस्था ने 395 जोहड़, तालाब, एनिकट, खेत तलाई व कुण्डों का निर्माण अपने-अपने कार्य क्षेत्र में किया है।

स्वीडन संसद की उपाध्यक्षा ईवा जेटरवर्ग व भारत के सीडा प्रमुख ओवे एन्डरसन नये जोहड़ का उद्घाटन करते हुए

स्कूल भवन निर्माण :

इस वर्ष संस्था ने जापान व (यू.एन.डी.पी.) ग्रामीण विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से जन सहभागिता से स्कूल भवनों के निर्माण में सहयोग किया है। इस वर्ष 5 स्कूल भवनों के निर्माण कार्य में सहयोग किया है। संस्था के अपने कार्यक्षेत्र में शिक्षा के स्तर में सुधार लाने व ग्रामवासियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया है जिससे क्षेत्र में शिक्षा का स्तर बढ़ा है। भविष्य में अच्छे परिणाम आने की संभावना है।

स्वीडन संसद की उपाध्यक्षा ईवा जेटरवर्ग व राजेन्द्र सिंह ग्रामसभा धीरोड़ा के साथ बातचीत करते हुए

जनजागृति एवं अध्ययन कार्यक्रम

तरुण भारत संघ द्वारा समुदाय-आधारित जल संरक्षण कार्य के अनुभव को पूरे देश भर में फैलाने व इसका प्रचार-प्रसार करने हेतु संस्था के कार्यकर्ताओं ने देश भर से आए ग्रामीण किसानों, सरकारी व गैर सरकारी अधिकारियों, पत्रकारों, बुद्धिजीवी, मजदूर, सभी तरह के लोगों को प्रशिक्षण दिया व स्वयं भी पूरे देश भर की संस्थाओं का भ्रमण उनके आग्रह पर किया व अपने अनुभव से उनको लाभान्वित किया तथा ऐसे विचारों को गहराई से समझने के लिये प्रमाणिकता के आधार पर अध्ययन एवं अनुसंधान किये जा रहे हैं।

बीकानेर के गांवों में जन-जागृति के लिए अलवर के ग्रामीण श्री अर्जुन व सुन्दरा गुर्जर एवं तभासं के कार्यकर्ता कजोड़ी व गुलाब

''राष्ट्रीय जल नीति विचार संगोष्ठी''

देश के अधिकतर राज्यों में अकाल घोषित किया गया जिससे राजनैतिक स्तर पर भी सभी राज्यों में जल संकट के समाधान के लिए अपने-अपने स्तर से कार्य शुरू हुए हैं। 21 मई, 2001 को देश की राजधानी दिल्ली में केन्द्रीय जल संसाधन मन्त्रालय ने सेमिनार आयोजित कर भारत के माननीय प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री सी.पी. ठाकुर, केन्द्रीय राज्य जल संसाधन मंत्री श्रीमती विजोया चक्रवर्ती व अन्य मंत्री गण एवं उच्च अधिकारी व देश के बुद्धिजीवी एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सेमिनार में भाग लिया था। राजेन्द्र सिंह ने भी इस सेमिनार में राष्ट्रीय जल नीति पर अपने विचार रखे थे।

संस्था के महामन्त्री श्री राजेन्द्र सिंह ने देश के विभिन्न राज्यों में जनता की जरूरतों के मुताबिक राष्ट्रीय जल नीति के ड्राफ्ट 1998 में संशोधन के लिए एक अभियान चलाया जिससे देश के प्राकृतिक संसाधन ''जल'' के विषय में गहरी रुचि रखने वाले लोगों का संगठन बनने लगा जो अपने-अपने तरीके से अपने राज्यों की जल नीति पर चर्चाएं करने लगे।

संस्था ने वर्ष 2002 में 5, 6 व 7 मार्च को दिल्ली में स्काउट्स एण्ड गाइड कैम्पस, हुमायूँ का मकबरा के पास राष्ट्रीय जल नीति विषय में राष्ट्र व्यापी जल सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें पूरे देशभर से लगभग 3000 लोगों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में देश के प्रबुद्धजन, गाँव के किसान, मजदूर, सरकारी अधिकारी, गैर सरकारी संस्थाएं तथा राजनैतिक लोगों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में सभी सम्भागियों ने अपने-अपने क्षेत्र के अनुसार खुले विचार रखे जिससे राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन के लिए कई

राष्ट्रीय जल बिरादरी द्वारा आयोजित जल सम्मेलन में राष्ट्रीय जल नीति विचार गोष्ठी में मंच पर विराजमान केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री सी.पी. ठाकुर एवं केन्द्रीय राज्य जल संसाधन मंत्री श्रीमती विजोया चक्रवर्ती व श्री एस.एन. सुब्बाराव उपस्थित जन सभा को सम्बोधित करते हुए

सुझाव आये। राष्ट्रीय जल सम्मेलन में माननीया जल संसाधन मन्त्री विजोया चक्रवर्ती ने भी भाग लिया था, उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा था कि देश की भावी राष्ट्रीय जल नीति में इस सम्मेलन में आये सुझावों को भी ध्यान में रखकर नई जल नीति का प्रारूप तैयार किया जायेगा।

''समुदाय द्वारा वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम''

तरुण भारत संघ संस्था द्वारा वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत माह जुलाई-अगस्त में पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ पद यात्राओं का सरिस्का के अन्दर वाले गाँवों व बाहरी क्षेत्र के 200 गाँवों में आयोजन किया गया। संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा ग्रामवासियों ने पदयात्राओं में भाग लिया। पद यात्रा के दौरान पर्चे, पोस्टर, दीवार, लेखन आदि का उपयोग किया गया, जिससे जनचेतना जागृत हुई और गाँव में सामूहिक विचार-विमर्श के लिए वातावरण बना है।

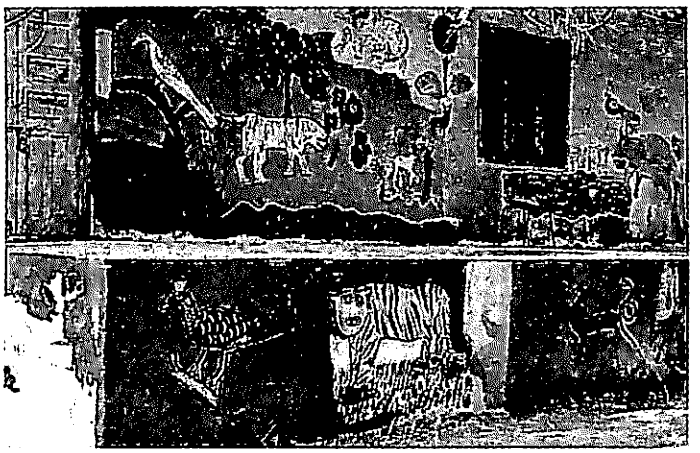

सरिस्का में जंगलात विभाग के मीटिंग हाल में तभासं के बच्चों द्वारा की गई चित्रकारी

वन्यजीव संरक्षण प्रतियोगिताएँ

सरिस्का के आसपास के स्कूलों में संस्था के कार्यकर्ताओं ने स्कूलों में प्रार्थना समय में जाकर बच्चों व अध्यापकों से वन्य जीव संरक्षण के विषय में सरल भाषा में बच्चों की रुचि अनुसार बातचीत की, हमारे आस-पास वन एवं वन्य जीव संरक्षण के महत्व को समझाया, सरिस्का के आस-पास के 20 स्कूलों में इस प्रकार की चर्चाएं की गईं। 16-17 सितम्बर व 29-30 सितम्बर को संस्था परिसर में 10 स्कूलों के बच्चों के साथ ''वन्य जीव संरक्षण'' के विषय में विभिन्न विषयों से सम्बन्धित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के चित्र-निबन्ध, कहानियाँ, कविताएँ आदि की रचनाएं की गईं। इस कार्य में बच्चों, अध्यापकों ने बड़े प्रेम से इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा भविष्य में ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करने के लिए कहा।

राष्ट्रीय उद्यान, सरिस्का में जंगल व वन्य जीव संरक्षण के विषय में संस्था के कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए श्री बाल्मिक थापर

वृक्षारोपण कार्यक्रम

संस्था ने माह अगस्त व सितम्बर में पद यात्राओं के दौरान 21 गाँवों में 21400 विभिन्न प्रकार के पौधों का वितरण किया। इन पौधों का रोपण से लेकर पूरी देख-भाल तक की जिम्मेदारी ग्रामवासियों ने ली है।

जैव विविधता रणनीति एवं कार्य–योजना निर्माण

भारत सरकार पर्यावरण मन्त्रालय द्वारा देश भर में चलाये जा रहे राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीति एवं कार्य-योजना निर्माण कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था ने अरवरी वाटशेड के लिए जैव विविधता रणनीति एवं कार्य-योजना का निर्माण किया। इसका पहला ड्राफ्ट मंत्रालय को जनवरी 2002 में प्रस्तुत किया गया। इस कार्य के लिये क्षेत्र के दस गाँवों में समुदाय के साथ विस्तृत चर्चाओं का

आयोजन किया गया तथा जैव विविधताओं के विभिन्न मुद्दों तथा समस्याओं की पहचान की गई। समुदाय की सक्रिय भागीदारी से कार्य-योजना का निर्माण किया गया। इस अध्ययन से सम्बन्धित क्षेत्र की जानकारी के लिये सर्वे, ग्रामीण जनता की तथा विचार निवारण व स्टेरिंग कमेटी की बैठकें आयोजित की गई हैं। इस कमेटी में डॉ. ओ. पी. कुलहरी, बाघ परियोजना निदेशक श्री तेजवीर सिंह, श्री पूर्व मुख्य वन व वन्य जीव प्रतिपालक डॉ. वी.डी. शर्मा, श्री कन्हैयालाल, राजेन्द्र सिंह ने क्षेत्रीय ग्रामीण लोगों के साथ मीटिंग की गई।

जैव विविधता कार्यक्रम की स्टेरिंग कमेटी के सदस्य व संस्था के कार्यकर्ता व ग्रामीण साथी

पशु-पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार के आर्थिक सहयोग से रिवाली केन्द्र के गाँव में पशु-पालन शिविर किये गये, जिसमें 175 लोगों ने भाग लिया। क्षेत्रीय पशु चिकित्सक ने पशु-पालकों को पशु-पालन से सम्बन्धित विस्तार से जानकारी दी। उन्नत नस्लों व पशु बीमारी में तुरन्त घरेलू नुस्खों के विषय में विस्तार से समझाया।

शिशु पालन गृह कार्यक्रम

केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, दिल्ली के आर्थिक सहयोग से इस वर्ष चौदह शिशु पालना गृह, सवाई माधोपुर व करौली जिले के पहाड़ी क्षेत्र के गाँव में चलाये गये। इस वर्ष 14 पालना केन्द्रों पर 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों को पोषाहार व स्वास्थ्य के लिए दवाइयाँ तथा बच्चों की देखभाल के लिए 28 आयाएँ रखी गई, जिससे कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल भली-भाँति हो सके, केन्द्रों को सुचारु रूप से चलाने के लिए एक सुपरवाइजर भी लगाया गया जो समय-समय पर केन्द्रों के निरीक्षण का कार्य करता था।

अकाल-मुक्ति कार्यक्रम

संस्था ने कर्पाट, नई दिल्ली के आर्थिक सहयोग से राज्य की 26 स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ मिलकर अकाल मुक्ति के लिए जल संरक्षण के कार्य जन सहभागिता द्वारा संपन्न किये हैं।

''महिला सबलीकरण परियोजना के तहत किये गये कार्य''

तभासं से बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने अपने लिए 'स्वयं सहायता समूह' गठित किए हैं। इसके जरिए वे अपना जीवन स्तर ऊँचा उठा रही हैं। यू.एन.डी.पी. की मदद से 4 जिलों में 55 तरुण शालाएं चला रही हैं। तरुण शाला मुख्यत: लड़कियों के लिए है जहाँ उन्हें प्राथमिक शिक्षा देकर सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलवाया जाता है।

महिला समूह प्रशिक्षण

ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु 325 महिला समूहों का गठन अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिलों के 180 गाँवों में किया, जिसमें 5000 महिला सदस्यों ने 12 लाख रु. की बचत की है, साथ ही चार महिला बैंक खोले हैं जिसका संचालन महिलाएं ही करती हैं। अलग-अलग क्षेत्रों में 18 महिला शिविर लगाकर महिलाओं को बैंकों से जोड़ा गया। स्वरोजगार हेतु नाबार्ड के सहयोग से प्रशिक्षण दिया गया। किशोरी, हिसला, रिवाली, खोयली, रूपसर की महिला समूह की सदस्यों ने बैंक से किराना दुकान, डेयरी हेतु भैंस, गलीचा बनाने हेतु लोन लेकर अपना रोजगार

कर रही हैं। नाबार्ड बैंक के उपनिदेशक श्री कमल कुमार ने अलग-अलग गाँवों में जाकर महिला समूह की मीटिंग में बातचीत कर उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया, साथ ही महिला समूह के अधिकारियों को विभिन्न बैंकों के मैनेजरों ने लेखा-जोखा रखने का प्रशिक्षण दिया तथा बैंकों की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। महिला समूह की सदस्यों को दुग्ध उत्पादक डेयरी चलाने हेतु अलवर डेयरी परियोजना अधिकारी के.बी. शर्मा व कमलेश नरूका द्वारा महिलायें कैसे डेयरी चलाकर अपनी आर्थिक आमदनी बढ़ा सकें इस वास्ते महिलाओं को प्रशिक्षित किया। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, जंगल, जमीन संरक्षण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु महिला समूह की सदस्यों को तरुण भारत संघ के महामन्त्री श्री राजेन्द्र सिंह व कार्यकर्ताओं ने महीने की प्रत्येक मासिक बैठक में जल संरक्षण की जानकारी देकर प्रशिक्षण दिया गया।

महिला समूह को आरोग्य के लिए संबोधित करते हुए संस्था के कार्यकर्ता श्री सीताराम जी

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं जल संरक्षण कार्य

परियोजना कार्यक्षेत्र की महिलाओं ने अपने-अपने गाँव में जल संरक्षण के लिये 314 जोहड़, एनिकट, खेत तलाई के निर्माण किये।

दाई प्रशिक्षण

ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने तथा गाँव में ही प्राथमिक उपचार हेतु जड़ी-बूटियों की पहचान कराकर 325 महिला समूह की सदस्यों को प्रशिक्षित कर उन्हें गाँव में जड़ी-बूटियों के परम्परागत उपयोग से अपना इलाज खुद कर सकें जिससे उनका पैसा बच सके। अब तक संस्था ने महिला सबलीकरण परियोजना के तहत अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर के 180 गाँवों से 160 ग्रामीण दाइयों को 12 जगहों में अलग-अलग प्रशिक्षण शिविर लगाकर प्रशिक्षण दिया गया है जो अब अपने-अपने गाँवों में कुशलतापूर्वक काम कर रही हैं। दाइयों के प्रशिक्षण देने में डॉ. ज्योत्सना, दिल्ली, सत्या, ए.एन. कमलेश चौहान (भीकमपुरा) ने मदद की है। तरुण भारत संघ के आयुर्वेदिक चिकित्सक सीताराम जी ने जड़ी-बूटियों की पहचान करने का ज्ञान सिखाया और दवाइयाँ बनाने के लिए (तरुण आश्रम) में 12 शिविर लगाकर आवासीय प्रशिक्षण दिया, गाँवों के गुणी वैद्यों ने भी सहयोग दिया।

स्वास्थ्य प्रशिक्षण देते हुए डॉ. सत्या व तभासं के कार्यकर्ता

महिला सरपंच, पंच प्रशिक्षण

पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी हेतु 19, 20 मार्च, 2002 तरुण आश्रम भीकमपुरा 24, 25 मार्च, रिवाली, सवाई माधोपुर में महिला पंच, सरपंच प्रशिक्षण आयोजित किये जिसमें 300 महिला पंच, सरपंचों ने भाग लिया। प्रशिक्षक महिला

ट्रेनर श्रीमती रेखा कुमावत उन्नति संस्थान जयपुर, पुरुष ट्रेनर श्री अशोक मुद्गल अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (दौसा) ने दिया। प्रशिक्षण में महिलाओं को पंचायतों में जाने के लिए विशेष रूप से जानकारी दी गयी। पंचायतों में महिला पंच, सरपंचों के अधिकारों के बारे में श्रीमती रेखा कुमावत ने जाल खेल के माध्यम से विस्तार से बताया। गाँव के विकास में महिला पंच सरपंचों की अहम् भूमिका है। इस विषय पर खुलकर बातचीत की गयी।

सरपंच-पंच कार्यक्षमता निर्माण व जन जागृति प्रशिक्षण शिविर को सम्बोधित करते हुए श्री अशोक मुद्गल

महिला सम्मेलन

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाकर प्राकृतिक संसाधनों, जैसे - जल, जंगल, जमीन, संरक्षण भागीदारी बढ़ाने हेतु (30,31 मई, 2001) को रिवाली सवाई माधोपुर में महिला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें करौली, सवाई माधोपुर जिलों के 50 गाँवों की 800 महिलाओं ने भाग लिया। सम्मेलन में गाँवों से आयी महिलाओं ने जल, जंगल, जमीन संरक्षण तथा शिक्षा व स्वास्थ्य की मूलभूत सुविधाओं को पाने हेतु संगठित होकर आगे आने का संकल्प लिया, साथ ही गांव-गांव में शराब, बाल-विवाह, बन्द कराने हेतु सभी महिलाओं ने संकल्प लिया। 15-17 जून, 2001 को तरुण आश्रम में महिला जल सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें अलवर, जयपुर जिले के 130 गाँवों से 3000 महिलाओं ने भाग लिया। इस सम्मेलन में मुख्य मुद्दे थे - परम्परागत जल स्त्रोतों के संरक्षण की प्रक्रिया तथा जल के साथ महिलाओं का रिश्ता, जल से जुड़े कानून व नीतियों, जल संरक्षण के कार्य से महिलाओं की स्थिति में बदलाव, महिला समूहों की गाँव के विकास में भागीदारी, लड़कियों की कार्यों में भूमिका, महिला समूह को और अधिक मजबूत करके भावी योजनाएं महिला समूहों का स्वरोजगार की दिशा में की गई। महिलाओं के पिछड़ेपन के कारण तथा इनको दूर करने के उपायों पर नौ समूह बनाकर चर्चा की गयी, इसमें आये दिल्ली से यू.एन.डी.पी. से मिथुलिना चटर्जी व अन्य महिला विकास के लिए कार्य करने वाली महिला विचारक प्रतिनिधियों ने सम्मेलन को संबोधित किया। सम्मेलन के अन्तिम दिन तरुण भारत संघ के महामंत्री राजेन्द्र सिंह ने सभी महिलाओं का आभार व्यक्त किया और आशा की कि आप सब अपने-अपने गाँव में जल संरक्षण व शिक्षा तथा गाँव विकास के कार्यक्रमों में पूरा सहयोग करें जिससे हमारे गाँव व हमारी महिला बहनों का जीवन स्तर में सुधार होगा।

तरुण आश्रम में आयोजित महिला जल सम्मेलन को सम्बोधित करती हुई उत्प्रेरक श्रीमती छोटी देवी

पदयात्राएँ

महिला समूह की सदस्यों ने गाँव में दिसम्बर-जनवरी, 2002 को जल, जंगल, वन्य जीवन, संरक्षण, अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिलों के 180 गाँवों में पदयात्राएँ की। गाँव-गाँव जाकर जल, जंगल संरक्षण की जानकारी दी।

16 से 21 जुलाई, 2001 तक महिला चेतना पानी पदयात्रा अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर जिलों के 180 गाँवों में 15 ग्रुप बनाकर महिला समूह की सदस्यों ने किया, इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य था महिला समूहों को सशक्त बनाकर महिलाओं को जागरूक बनाना तथा जल-जंगल-जमीन संरक्षण तथा पंचायतों में भागीदारी बढ़ाने हेतु गाँव-गाँव जाकर महिलाओं को जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक बनाना।

अनुभव यात्राएँ

30 महिला समूह की सदस्यों ने नीमी, समरा, लील्या, राजौरगढ़ गाँवों में महिलाओं द्वारा किये गये जल-जंगल-जमीन संरक्षण के कार्यों को दिखाया तथा वहाँ की महिलाओं से बातचीत की साथ ही इन्हीं गाँवों में महिलाओं द्वारा शराब बन्दी का कार्य कर दिखाया। महिलाओं ने अपने संगठन के बल पर मालूताना, राजौरगढ़ गाँवों में शराब का ठेका बन्द कराया। ऐसी अनुभव यात्राओं से महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा हुआ है। महिलाओं में बुराई से लड़ने की क्षमता आयी है।

शोधयात्रा

शोधयात्रा का उद्देश्य गाँव के ज्ञान को आगे लाना है जो ग्रामीण बहुत कुछ अपने पारम्परिक तरीके से नये-नये आविष्कार करते हैं, लेकिन उनका किसी को पता नहीं चलता। ऐसे ज्ञान को देश दुनिया के सामने लाकर ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करना होता है। इस कार्य को मूर्तरूप देने के लिए सृष्टि संस्था अहमदाबाद के निदेशक श्री अनिल कुमार गुप्ता जी से विचार-विमर्श किया तथा एक माह तक तभासं के कार्यक्षेत्र का अध्ययन किया। ऐसे लोगों को पहचाना गया जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में विशेष जानकारी रखी है। इसमें महिला, पुरुष, वृद्ध, बच्चे, युवा सभी से सम्पर्क किया गया। क्षेत्र के ज्ञान को संकलित करने की पूरी कोशिश की गयी। 24 दिसम्बर, 2001 से तरुण आश्रम भीकमपुरा से शोध यात्रा प्रारम्भ की गयी जिसमें देशभर के 14 प्रान्तों से 150 शोध यात्रियों ने संस्था कार्य क्षेत्र में पदयात्राएँ कर गाँववासियों के साथ बातचीत की व एक-दूसरे के ज्ञान-विज्ञान को समझा। गाँव के ज्ञान को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामवासियों को सम्मानित किया।

महिला पानी चेतना पद यात्रा करते हुए गांव की महिलाएं व कामकाजी छात्राएं तथा महिला उत्प्रेरक

महिला समूह सदस्यों व ग्रामीण लोगों को जल संरक्षण के उपाय समझाते हुए श्री अर्जुन गुर्जर (ग्राम भांवता-कोल्याला)

सृष्टि संस्था अहमदाबाद के सदस्य महिला समूह की सदस्यों के साथ साक्षात्कार करते हुए

पशुस्वास्थ्य शिविर

पशुओं को स्वस्थ बनाने तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु अलग-अलग क्षेत्रों के 150 गाँवों में 40 पशु स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये गये। सरिस्का क्षेत्र के 21 गाँवों जमुवारामगढ़ सेन्चुरी के 20 गाँवों, कैलादेवी, करौली द्वारा 30 गाँवों का पशु टीकाकरण संस्था द्वारा प्रशिक्षित पशु वैद्य महादेव द्वारा किया। साथ ही पशु पालकों को पशुओं के जड़ी-बूटियों द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु जानकारी दी गयी।

मासिक बैठकें

अप्रेल 2001 से मार्च 2002 तक 12 मासिक बैठकें तरुण आश्रम भीकमपुरा में, 6 पाक्षिक बैठक अलग-अलग क्षेत्र में आयोजित की गयी, जिसमें महिला शिक्षक, महिला प्रेरकों को जल, जंगल तथा शिक्षा स्वास्थ्य की जानकारी के आधार पर संस्था के कार्यों के अनुभवों का प्रशिक्षण संस्था कार्यकर्ता द्वारा दिया गया जिसमें 42 एनीमेटरी (महिला प्रेरक), 53 महिला शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जो अपने-अपने गाँवों में काम कर रही हैं।

संस्था कार्यालय में महिला समूह की मासिक बैठक में भाग लेती हुई महिला कार्यकर्ताएं

एनिमेटर (महिला उत्प्रेरक)

संस्था द्वारा संचालित महिला सबलीकरण कार्यक्रम के लिए नियुक्त महिला उत्प्रेरकों का समय-समय पर सामाजिक, आर्थिक, शिक्षा, स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी, खेतीबाड़ी, पशुपालन, सरकारी योजनाओं एवं रोजगार विषयों से सम्बन्धित प्रशिक्षण व अन्य जानकारियाँ दी जाती हैं। प्रशिक्षणों में संस्थाओं के वरिष्ठ कार्यकर्ता, संदर्भ व्यक्ति एवं सरकारी अधिकारी सहयोग करते हैं।

महिला उत्प्रेरकों के साथ बातचीत करते हुए अलवर के नाबार्ड जिला प्रबन्धक

शिक्षक प्रशिक्षण

संस्था द्वारा संचालित तरुण शालाओं के शिक्षकों का 1 फरवरी, 2002 से 10 फरवरी तक दस दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण तरुण भारत संघ भीकमपुरा में ग्राम मंगल संस्था (मुम्बई) के श्री निलेश भाई, श्रीमती सुषमा जी द्वारा दिया गया जिसमें 45 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

देशी बीज प्रशिक्षण

महिला समूहों की सदस्यों के साथ देशी बीज संरक्षण हेतु अलग-अलग क्षेत्रों में शिविर लगाये गये, जिसमें 30 दिसम्बर 2001 रायसर में आयोजित किया। तरुण भारत संघ के महामंत्री राजेन्द्र जी, संघ सर्वोदय विचारक नेता श्री सिद्धराज ढड्ढा जी व संस्था के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही महिला समूह की मीटिंग में क्षेत्रीय ग्राम सेवकों द्वारा जानकारी दी गयी।

तरुण शालाएँ

कामकाजी बालिकाओं के लिये संस्था द्वारा अलवर, करौली, सवाई माधोपुर, जयपुर में 55 तरुण शालाएँ संचालित हैं। समुदाय के सहयोग से स्कूल चल रहे तरुण शालाओं के सुपरविजन (निरीक्षण) का काम महिला समूह की सदस्यों द्वारा किया जाता है जिसमें 5 बाला श्रमिक स्कूल लाला भैया गुढ़ा मालियों की ढाणी खोह, मालूताना, रायसर में चल रहे हैं। इनमें 187 बालिका + 23 बालक कुल **210** बच्चे हैं। कुल 55 स्कूल में 1141 बालिकाएँ + 200 बालक कुल 1341 बालक-बालिका पढ़ रहे हैं। तरुण शालाओं में प्रशिक्षित बालक-बालिकाएं अपने आगे की शिक्षा जारी रख सकें इस वास्ते भी उनकी मदद की जाती है।

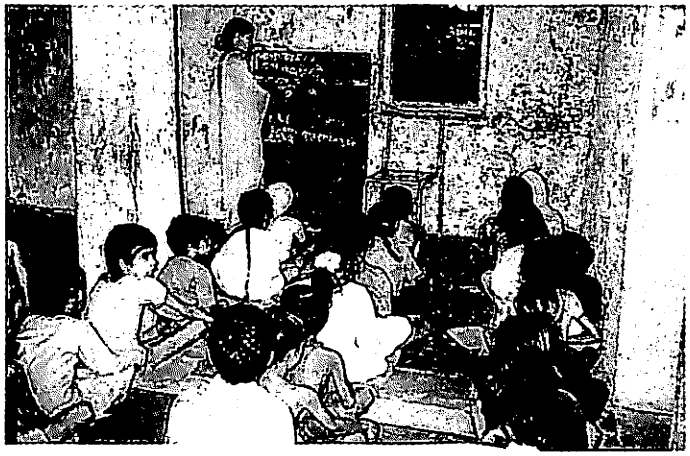

तरुण शाला में शिक्षा पाती कामकाजी बालिकाएं

जल संरक्षण कार्यक्रम

महिला सबलीकरण (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) परियोजना के तहत इस वर्ष तरुण भारत संघ ने 314 जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण इस वर्ष लोगों की सहभागिता से किया है। इन जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण कार्य का क्रियान्वयन महिला समूह की सदस्यों ने संस्था के वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ मिलकर की है।

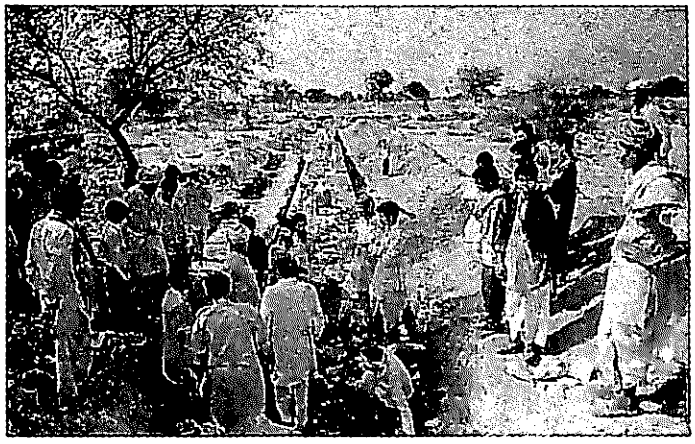

चालू जल संरक्षण कार्य को देखते हुए लोग

परियोजना मूल्यांकन

यू.एन.डी.पी. के आर्थिक सहयोग से महिला सबलीकरण परियोजना का माध्यमिक मूल्यांकन श्री अशोक ठाकुर, सचिव पर्यटन हिमाचल सरकार व श्रीमती सरोजनी ठाकुर संयुक्त सचिव, महिला एवं बाल विकास, भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार व अन्य सामाजिक सुधार के प्रभाव का अध्ययन व मूल्यांकन किया। इस अध्ययन का परिणाम भविष्य की योजनाओं के लिए बहुत ही सार्थक रहेगा। वैसे तरुण भारत संघ के कार्यों का मूल्यांकन प्रतिदिन होता रहता है। इस वर्ष देश-दुनिया से 70,000 व्यक्तियों ने आकर काम देखा, अनुभव लिया और लौटकर वैसा ही काम करने का प्रयास किया। ये सभी व्यक्ति काम देखकर संस्था की दिशा-दर्शन पर चर्चा करते हैं। मूल्यांकन प्रक्रिया में संस्था के लोगों व कार्यकर्ताओं को भी बहुत कुछ सिखने को मिलता है।

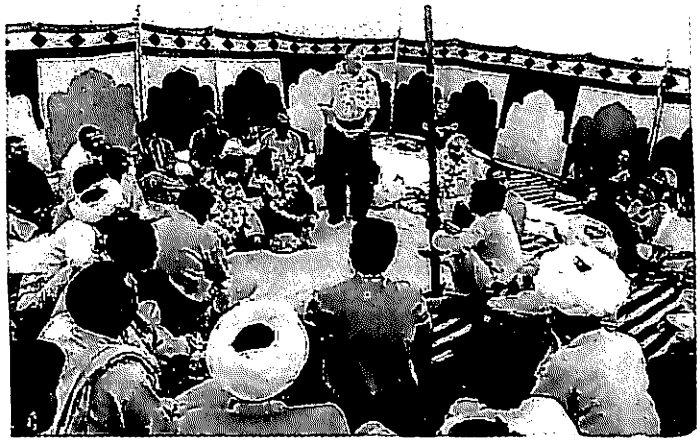

जल संरक्षण कार्यों पर चर्चा हेतु आये रैमन मैग्सेसे फाउण्डेशन के अध्यक्ष व तभासं कार्यक्षेत्र के ग्रामीण लोग

''ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं यू.एन.डी.पी. के प्रतिनिधियों ने संस्था के कार्यों को देखा''

महिला सबलीकरण परियोजना के तहत संस्था द्वारा किये गये कार्यों को देखने यू.एन.डी.पी. न्यूयार्क-दिल्ली से 5 सितम्बर, 2001 को अहमद जी, नूरुल आलम जी, चार्ल्स विट कौर्स, डॉ. मिथिलिना चटर्जी ने अवलोकन किया, संस्था आफिस में कार्यकर्ताओं से बातचीत की, इसके फील्ड कार्य को देखा, गुढ़ा मालियों की ढाणी का स्कूल तथा राजौरगढ़ महिला समूहों के सदस्यों से बातचीत कर शाम जयपुर वापस गये। 4 जनवरी, 2002 को ग्रामीण विकास मन्त्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती आशा स्वरूप, उप सचिव संजीत सिंह ने मालूताना तथा समरा गाँवों में जाकर समुदाय द्वारा जल, जंगल, जमीन संरक्षण के कार्यों का अवलोकन किया और महिला समूहों से बातचीत की तथा गाँव विकास के निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी तथा उनकी पहल को देखा। 13 फरवरी, 2002 के यू.एन.डी.पी. के एशिया प्रमुख डॉ. हाफिज पासा, श्री मुरलीधरन, डॉ. श्रीमती नीराबुरा ने नीमी गाँव में महिला समूह एवं समुदाय के सहयोग से संस्था द्वारा जल संरक्षण को देखा, समझा तथा जल संरक्षण के कार्यों से महिलाओं की जिन्दगी में आए बदलाव को जानने के लिए महिलाओं तथा पुरुषों से चर्चा की। इस कार्य से प्रभावित होकर डॉ. हाफिज पासा ने तरुण भारत संघ के साथियों को अफगानिस्तान में जल संरक्षण के कार्य में सहयोग देने की बात कही।

नीमी ग्राम में ग्राम सभा को सम्बोधित करते हुए यू.एन.डी.पी. के एशिया प्रमुख डॉ. हाफिज़ पासा

ग्राम सभा नीमी में सदस्यों की बातों को सुनते हुए डॉ. पासा

देश की सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं से आये प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण

इस वर्ष देश के अन्य राज्यों से संस्था द्वारा किये गये ''जल संरक्षण'' के कार्यों को देखने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से अरुणाचल प्रदेश के सरकारी, गैर-सरकारी, पत्रकार, बुद्धिजीवी, ग्रामीण किसान, मजदूर, आदिवासी क्षेत्रों के लोगों को संस्था के कार्यकर्ताओं ने अपनी पूरी सामर्थ्य के अनुरूप आये आगन्तुकों को अपने जल संरक्षण के कार्य दिखाये हैं तथा उनके साथ विस्तार से चर्चाएं की हैं। ग्रामीणों द्वारा किये गये जल संरक्षण के उपायों में मिट्टी के, बाँध, एनिकट, खेत, तलाई आदि को दिखाया।

जल संरक्षण कार्यों को देखने के लिए आये अन्य राज्यों के ग्रामीण किसान व संस्थाओं के प्रतिनिधि

देश–विदेश के छात्रों का प्रशिक्षण

इस वर्ष में देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा शोध संस्थाओं से पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त करने वाले व ग्रामीण विकास प्रबन्धन संबंधी अध्ययन करने वाले छात्रों ने तरुण भारत संघ के क्षेत्र में समुदाय की भागीदारी से किए जाने वाले कार्यों का अध्ययन किया तथा समुदाय आधारित विद्या में अपने आप को प्रशिक्षित किया, इससे देश के युवा वर्ग में ग्रामीण विकास के लिए भविष्य में कार्य करने की भावनाओं को बढ़ावा मिला है। संस्था में आये अध्ययनरत छात्रों ने विश्वास दिलाया कि हम अपने जीवन में ग्रामीण विकास से सम्बन्धित अधिक से अधिक कार्य करेंगे जिससे देश के विकास, ग्रामीण विकास के लिए युवा वर्ग की बढ़ती प्रतिबद्धता से भविष्य में आशा की किरण दिखाई देती है।

जल संरक्षण कार्यों का निरीक्षण करते हुए राजीव गांधी फाउण्डेशन के निदेशक डॉ. मनमोहन मल्होत्रा व संजय बाफना

देश के प्रबुद्ध जनों द्वारा संस्था के कार्यों का अवलोकन

इस वर्ष देश की भिन्न-भिन्न विचारधाराओं के महान शुभ चिन्तकों द्वारा संस्था के द्वारा कराये गये ग्रामवासियों की सहभागिता के कार्यों को संस्था में आकर देखा, समझा और अपने-अपने क्षेत्रों में अपने सहयोगियों द्वारा गाँव के विकास कार्यों में सहभागीदारी को बढ़ाने का आह्वान किया है जिससे देश में ग्रामीण विकास के लिये नये युग का उदय माना जाये तो इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है। जब हमारे राजनैतिक संगठन व वैचारिक दृष्टिकोण रखने वाले संगठन देश के ग्रामीण विकास में जन-शक्ति को जन उपयोगी कार्य व गाँव के प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन संरक्षण कार्यों के प्रति प्रेरित करेंगे तथा सरकारी तन्त्र संवेदनशील होकर गाँव के विकास की, गाँव की जरूरतों को ध्यान में रखकर नीति निर्धारण कर उन्हें क्रियान्वित करेंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत पुन: ''सोने की चिड़िया'' के नाम से दुनिया में जाना जायेगा। अब देश के प्रबुद्ध जन व हमारा केन्द्रीय ग्रामीण विकास मन्त्रालय इस दिशा में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। यह अनुभव जब हुआ जब संस्था के कार्यों का अवलोकन करने आये केन्द्रीय ग्रामीण विकास मन्त्रालय के प्रतिनिधि संयुक्त सचिव श्रीमती आशा स्वरूप, उपसचिव श्री संजीत सिंह व गोविन्दा स्वामी के साथ हुई बातचीत, संस्था के कार्यकर्ता व ग्रामवासियों को ग्रामीण विकास क्षेत्र में नई सोच व विचारधारा दिखाई दी जो देश के विकास के लिए शुभ संकेत हैं। देशभर के हजारों किसान, सैकड़ों अधिकारी, हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों, इन्जीनियरों ने भी ग्रामीणों द्वारा किए काम को देखा है। उनमें से कुछ ने वापस लौटकर ऐसा कार्य शुरू भी किया।

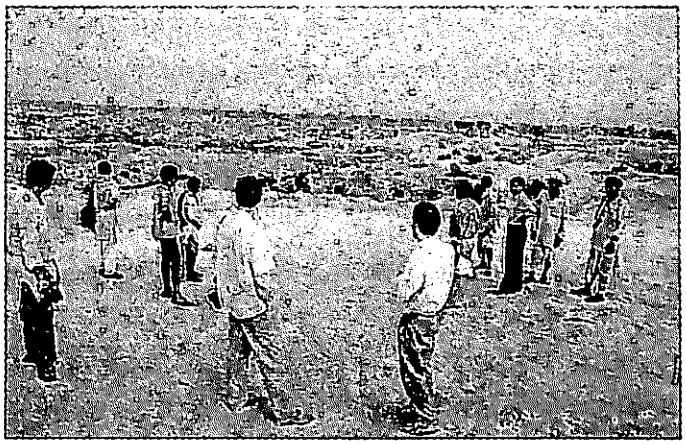

तभासं द्वारा कराये गये जल संरक्षण कार्यों को देखते हुए विदेशी अतिथि

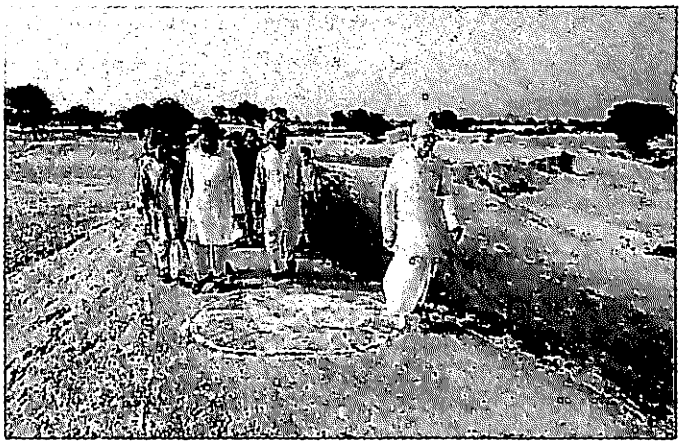

ग्रामीणों द्वारा किये गये पानी के कार्यों का निरीक्षण करते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक माननीय श्री के.सी. सुदर्शनजी

संस्था व कार्यकर्ता सम्मान

इस वर्ष देश की अनेक संस्थाओं ने तरुण भारत संघ के जल-जंगल-जमीन संरक्षण की दिशा में किये गये सामाजिक कार्यों को प्रोत्साहित किया है जिससे कार्यकर्ताओं को ऐसे सामाजिक कार्य करने के लिए बल मिला है। इस वर्ष संस्था के महामन्त्री श्री राजेन्द्र सिंह को रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से नवाजा गया है। यह पुरस्कार सामुदायिक नेतृत्व के लिए प्राप्त हुआ है। इससे संस्था द्वारा लोगों की सहभागिता से किये जा रहे जल-जंगल-जमीन कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया गया।

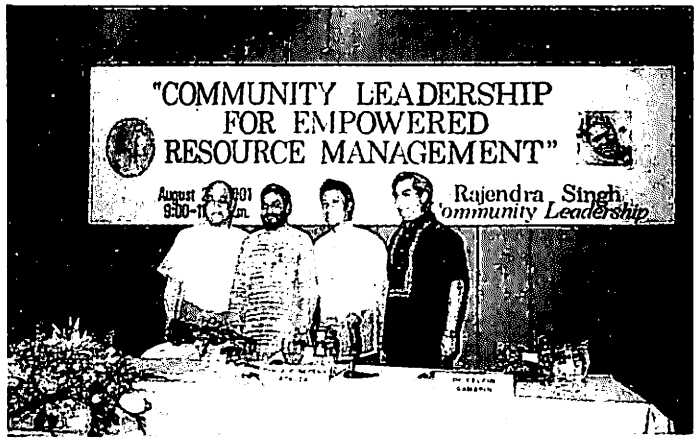

रैमन मैग्सेसे फाउण्डेशन के अध्यक्ष व ट्रस्टियों के साथ पुरस्कार से नवाजे जाने के बाद तभासं के श्री राजेन्द्र सिंह सभा को संबोधित करते हुए

संस्था के कार्यों का अध्ययन

संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र में समाज की सहभागिता के साथ किये जा रहे ग्रामीण विकास के कार्यों का अध्ययन अलग-अलग दृष्टिकोण से कराया है जिसमें यह जानना है कि ऐसे कार्यों का समाज के आर्थिक विकास, गाँव की सामलाती जीवन पद्धति, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्रामवासियों के ज्ञान और सामूहिक कार्य करने के विचार का अध्ययन करना है जिससे देश के अन्य प्रांतों में इस विचार को फैला सकें। वैसे तो संस्था कार्यक्षेत्र में देश, विदेश, सरकारी, गैर-सरकारी संस्थाओं ने अपने-अपने स्तर में ग्रामीण विकास के किये जा रहे कार्यों का अध्ययन किया है। अध्ययनों के निष्कर्ष से समाज में और अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। संस्था में कई देशी-विदेशी छात्रों ने अपने-अपने विषय चुनकर पीएच.डी. के लिए अध्ययन किया है।

ग्राम लावा का बास में बांध बनाओ समिति से बातचीत करते हुए श्री राजेन्द्र सिंह

प्रचार-प्रसार

संस्था द्वारा किये जा रहे ग्रामवासियों की सहभागिता से जल, जंगल, जमीन संरक्षण के कार्यों को देश के मीडिया ने जन-जन तक पहुँचाने में वर्ष भर पूरा सहयोग दिया है। स्थानीय समाचार पत्र, पत्रिका व देश-विदेश के समाचार पत्र, पत्रिकाओं के माध्यम से संस्था के द्वारा चल रहे जल संरक्षण व जनचेतना, ग्राम स्वावलम्बन के कार्यों को देश-दुनिया के बीच पहुंचाया है जिससे समाज में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन की भावना को बल मिला है।

जल योद्धाओं का सम्मान

संस्था के वार्षिक उत्सव 2 अक्टूबर ''गान्धी जयन्ती पर्व'' पर राज्य में जिन व्यक्तियों, संस्थाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में जल-जंगल-जमीन संरक्षण का कार्य किया है उन्हें संस्था ने

सरिस्का क्षेत्र के महिला समूह की सदस्यों को जल-जंगल-जमीन संरक्षण कार्यों के लिए सम्मानित करते हुए वन विभाग के अधिकारी

जल योद्धाओं की उपाधि देकर सम्मानित किया और आशा की कि ये योद्धा अपने-अपने क्षेत्र में नये जल योद्धा बनायेंगे, जिससे जल व प्रकृति के संरक्षण का कार्य तेजी से आगे बढ़ेगा।

इस वर्ष के मुख्य कार्यक्रम

- 23-24 अप्रैल, 2001 को ग्राम नीमी में जल बिरादरी का राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश भर के लगभग 7000 लोगों ने भाग लिया और राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर कार्य करने वाले व्यक्तियों को चुना गया।
- छत्तीसगढ़ के जल संसाधन मंत्री व अधिकारियों के दल ने तरुण भारत संघ के कार्यक्षेत्र का भ्रमण किया।
- 15-16-17 जून ग्राम भीकमपुरा ''तरुण भारत संघ'' में ''प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन में महिलाओं की भूमिका'' विषय पर सम्मेलन किया गया जिसमें संस्था कार्यक्षेत्र अलवर, जयपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर आदि जिलों की 3000 हजार से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।
- माह जून में ग्राम लावा का बास में बन रहे सार्वजनिक अरधन बाँध को तोड़ने के लिए अलवर सिंचाई विभाग की कार्यवाही के विरुद्ध सौम्य सत्याग्रह, जन आन्दोलन, जल संरक्षण कार्य के लिए बाँध बचाओ क्षेत्रीय संघर्ष समिति का गठन किया गया तथा देश के बुद्धिजीवियों व राज्य सरकार से बाँध बचाने के लिए सम्पर्क किया गया। लावा का बास, अरधन बाँध को देखने देश-विदेश के लोग आये तथा राज्य के पूर्व मुख्य मन्त्री भैरोंसिंह शेखावत ने भी देखा। डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन, डॉ. एन.सी. सक्सेना, डॉ. एम.सी. चतुर्वेदी, डॉ. जी. मोहन गोपाल, ओम थानवी, अनिल अग्रवाल, सुनीता नारायणन ने भी बाँध का अवलोकन किया। इस बाँध पर जल स्वराज्य नामक रिपोर्ट का प्रकाशन हुआ है।
- जुलाई में श्री अशोक ठाकुर, सचिव, पर्यटन हिमाचल सरकार व श्रीमती सरोजनी ठाकुर, संयुक्त सचिव महिला एवं बाल विकास भारत सरकार द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्द्धन से महिला सबलीकरण परियोजना का मूल्यांकन किया।
- 30 जुलाई को संस्था के महामन्त्री श्री राजेन्द्र सिंह को रैमन मैग्सेसे से पुरस्कार की घोषणा की गई।
- 31 अगस्त को फिलीपीन्स की राजधानी मनीला में राजेन्द्र सिंह को रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया।
- 2 अक्टूबर को संस्था परिसर ''तरुण आश्रम'' में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने वाले राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया।
- 15-16 अक्टूबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक माननीय श्री के.सी. सुदर्शन जी व उनके साथी 15 अक्टूबर की रात्रि में तरुण आश्रम आये व 16 अक्टूबर को क्षेत्रीय भ्रमण किया।
- 15-16 अक्टूबर को राजीव गान्धी फाउण्डेशन के निदेशक श्री मनमोहन मल्होत्रा जी व उनके अन्य साथी संस्था में आये। उन्होंने अलवर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, बीकानेर, जोधपुर, पाली क्षेत्र में जल संरक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए श्री राजेन्द्र सिंह जी से बातचीत की तथा 45 जलकर्मियों का चयन किया। ''तरुण भारत संघ'' ने जलकर्मियों को प्रशिक्षण दिया तथा राजस्थान में इस कार्यक्रम को पूरा सहयोग दिया।
- 3-4 नवम्बर को रैमन मैग्सेसे फाउण्डेशन के ट्रस्टी व रैमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित सभी व्यक्तियों द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र में भ्रमण किया। जन सहभागिता से जल संरक्षण का ग्राम विकास की दिशा में किये गये कार्यों को देखा। ग्रामवासियों से बातचीत भी की। इस कार्य की उन्होंने बहुत सराहना की।
- नवम्बर के अन्तिम सप्ताह में राजीव गाँधी फाउण्डेशन के जलकर्मियों का एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया।
- नवम्बर माह में पूर्वी भारत से (बिहार, बंगाल, आसाम, त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश एवं उड़ीसा) नेहरू युवा केन्द्रों के कार्यकर्ताओं द्वारा भारत भ्रमण (साइकिल यात्रा) के दौरान 26 नवम्बर को तरुण आश्रम में आए। संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ ''प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्द्धन में युवाओं की भूमिका'' पर चर्चा की तथा क्षेत्रीय कार्यों को देखा।

- नवम्बर में सीडा के भारतीय प्रमुख ओवे एन्डरसन ने अपने परिवार सहित तरुण भारत संघ के कार्यक्षेत्र का भ्रमण किया व जल संरक्षण कार्य देखे।
- 4 जनवरी को महिला सबलीकरण परियोजना में संस्था द्वारा कराये जा रहे जल संरक्षण के कार्यों को देखने के लिए ग्रामीण विकास मन्त्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती आशा स्वरूप, उपसचिव श्री संजीत सिंह, कार्यक्रम अधिकारी श्री वी. गोविन्दा स्वामी ने संस्था कार्य क्षेत्र में भ्रमण किया तथा लोगों से जानकारी ली तथा इस कार्य की प्रशंसा भी की।
- 5 दिसम्बर को यू.एन.डी.पी. का दल अहमद श्री नरूल आलम जी, चाल्स विट कौर्स, मिथुलिना चटर्जी ने संस्था कार्य क्षेत्र का अवलोकन किया।
- 6 जनवरी को 10 प्रशिक्षु (भारतीय प्रशासनिक अधिकारी) का बैच प्रशिक्षण हेतु व ग्रामीण विकास के कार्यों की जानकारी के लिए आये जिन्हें संस्था के कार्यकर्ताओं ने संस्था व समुदाय की परस्पर सहभागिता द्वारा किये गये जल संरक्षण कार्यों का प्रशिक्षण दिया।
- 1-7 फरवरी तक संस्था द्वारा भारत सरकार द्वारा संचालित परियोजनाओं से सम्बन्धित लेखों को जांचने-परखने के लिए महालेखाकार कार्यालय जयपुर से चार सदस्य दल संस्था में आये। उन्होंने संस्था के हिसाब-किताब की जांच की तथा परियोजना में किये गये कार्यों का अवलोकन किया।
- 5-7 फरवरी तक तरुण आश्रम भीकमपुरा में संस्था के कार्यकर्ता व राजीव गाँधी फाउण्डेशन के जलकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।
- 1-10 फरवरी तक दस दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण किया गया, ग्राम मंगल संस्था (मुम्बई) के श्री निलेश भाई व श्रीमती सुषमा जी ने 45 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।
- 13 फरवरी, 2002 को यू.एन.डी.पी. के एशिया प्रमुख डॉ. हाफिज पासा, श्री मुरलीधरण, श्रीमती नीरा बूरा ने नीमी गाँव में महिला समूह एवं समुदाय के सहयोग से किये गये कार्यों को देखा, समझा। डॉ. पासा ने संस्था के कार्यों से प्रभावित होकर श्री राजेन्द्र जी से अफगानिस्तान में भी जल संरक्षण के कार्य में सहयोग करने की पेशकश की।
- 5-6 मार्च, 2002 को दिल्ली में राष्ट्रीय जल नीति पर राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें 19 राज्यों के 2000 से अधिक प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। इस सम्मेलन में केन्द्रीय जल संसाधन राज्य मन्त्री श्रीमती विजोया चक्रवर्ती, केन्द्रीय स्वास्थ्य मन्त्री श्री सी.पी. ठाकुर, केन्द्रीय भारी उद्योग मन्त्री श्री बल्लभाई कथूरिया जी व देश भर के प्रमुख अधिकारीगण, प्रबुद्ध जन, उद्योगपति, साधु-संन्यासी, किसान, मजदूरों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रमुख व उनके प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- 26-27 मार्च को यू.एन.डी.पी. की तरफ से चड्डा एसोसिएट के प्रतिनिधि श्री सुनील गुप्ता जी ने महिला सबलीकरण परियोजना से सम्बन्धित लेखों की जाँच की तथा कार्यक्षेत्रों का भ्रमण किया।
- भारत देश में पानी व प्रकृति के संरक्षण हेतु काम करने वाले सरकारी व स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं को पर्यावरण प्रेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इनमें उड़ीसा की नीता बहिन, मध्य प्रदेश की माधुरी बहिन व श्री महेन्द्र कुमार जी तथा उत्तरांचल के श्री सच्चिदानन्द भारती जी के प्रति आदर व कृतज्ञता प्रकट की है।

इस वर्ष और भी बहुत सी अच्छी घटनायें हुईं। सत्तर हजार के आस-पास देश-दुनिया के लोग तरुण भारत संघ का काम देखने आये। उन्होंने काम को देखा और अपने विचार प्रकट किये। लौटकर अपने क्षेत्रों में काम शुरू किया। ये सभी तरुण भारत संघ के लिए अच्छी घटनायें हैं। पर इन सबका विवरण यहाँ देना संभव नहीं है।

महिला सबलीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 1 अप्रैल 2001 से 31 मार्च 2002 तक किये गये कार्यों की सूची :

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
1.	गणपत मीना की मेड़बन्दी	बिचपुड़ी, बामनवास	1,560.00	1,561.00	3,121.00
2.	भौरेलाल गुर्जर की मेड़बन्दी	"	5,730.00	5,730.00	11,460.00
3.	महेश मीना की मेड़बन्दी	"	4,145.00	4,146.00	8,291.00
4.	शंकर ग्यारसी का जोहड़	"	4,680.00	4,682.00	9362.00
5.	छोटेलाल सैनी का जोहड़	"	6,850.00	6,883.00	13,733.00
6.	तेजाराम की तलाई	लोध, नादोती	4,800.00	9,600.00	14,400.00
7.	माल्था वाली तलाई	"	30,311.00	9,589.00	39,900.00
8.	शम्भू गुर्जर की मेड़बन्दी	पाडा, बामनवास	4,490.00	4,491.00	8,981.00
9.	समयसिंह गुर्जर की मेड़बन्दी	अमावरा, बामनवास	3,660.00	3,663.00	7,313.00
10.	कैलाश मीना की मेड़बन्दी	"	3,290.00	3,293.00	6,583.00
11.	विजेन्द्रसिंह की मेड़बन्दी	"	9,930.00	9,942.75	19,872.75
12.	लाडाबाई की मेड़बन्दी	"	6,460.00	4,313.00	10,773.00
13.	मुन्ना मीना की मेड़बन्दी	"	6,700.00	6,705.00	13,405.00
14.	गिर्राज नट की मेड़बन्दी	"	3,390.00	3,390.00	6,780.00
15.	नवल शर्मा की मेड़बन्दी	गढ़-अमावरा	3,864.00	3,864.00	7,728.00
16.	घीसा खटीक की मेड़बन्दी	गढ़-अमावरा	2,295.00	2,295.00	4,590.00
17.	गिर्राज की तलाई	रिवाली, बामनवास	2,716.00	2,717.75	5,433.75
18.	मोहन रैगर की मेड़बन्दी	"	1,438.00	959.00	2,397.00
19.	सार्वजनिक तलाई	गुर्जा, करौली	3,875.00	-	3,875.00
20.	प्यारेलाल की तलाई	सराम, बामनवास	8,850.00	17,720.00	26,570.00
21.	रामकरण मीना की तलाई	"	11,440.00	22,885.00	34,325.00
22.	रामसिंह की तलाई	"	8,130.00	16,267.00	24,397.00
23.	चमनसिंह की तलाई	"	12,846.00	12,847.00	25,693.00
24.	रघुवीरसिंह की तलाई	जियापुरा, गंगापुरसिटी	9,600.00	19,380.00	28,980.00
25.	रामपति बेना की तलाई	"	12,000.00	24,036.00	36,036.00
26.	देफूखा खाल की तलाई	"	15,842.00	15,843.00	31,685.00
27.	बहादुरसिंह गुर्जर की तलाई	गांडल, गंगापुरसिटी	19,150.00	28730.00	47880.00
28.	नलावाली तलाई	गदली, गंगापुरसिटी	12,400.00	4,146.50	16,546.50
29.	हंस राज मानसिंह की मेड़	"	6,447.00	6,447.00	12,894.00
30.	गिर्राज बैरवा की मेड़बन्दी	गिदाकी, राजाहेड़ा	3,267.00	3,267.00	6,534.00
31.	बदरी गुर्जर की मेड़बन्दी	बेड़ा(सिंहली), लालसोट	4,088.00	4,088.00	8,176.00
32.	मूलचन्द बच्चूसिंह की तलाई	काचर, बामनवास	13,968.00	13,968.00	27,936.00
33.	कजोड़ गुर्जर की तलाई	"	9,000.00	4,186.00	13,186.00
34.	शिवचरण की तलाई	"	14,179.00	14,179.00	28,358.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
35.	प्रताप गुर्जर की तलाई	”	6,668.00	6,670.00	13,338.00
36.	गोकुल की तलाई	”	21,116.00	21,116.00	42,232.00
37.	गोपाललाल की मेड़बन्दी	गुढा-चूरानी, नन्दौती	7,224.00	7,224.50	14,448.50
38.	रामदयाल की तलाई	”	7,625.00	7,625.00	15,250.00
39.	हरि सेठी प्रसादीलाल मीना की मेड़बन्दी	”	16,584.00	12,385.00	28,969.00
40.	सोहनलाल, मोला की मेड़बन्दी	”	2,570.00	2,585.00	5,155.00
41.	बत्तीलाल की मेड़बन्दी	राहड़, रायबेली-नन्दोती	3,308.00	3,309.00	6,617.00
42.	किरोड़ीमल की मेड़बन्दी	”	3,067.00	3,068.00	6,135.00
43.	रामकेश नवल की मेड़बन्दी	”	1,835.00	1,835.00	3,670.00
44.	गणपत मीना की मेड़बन्दी	”	6,304.00	6,305.00	12,609.00
45.	हरकेश नाथ की जोहड़	जाहड़ा, नादोती	6,440.00	-	6,440.00
46.	रामेश्वर का एनिकट	सिकरौली	2,915.00	-	2,915.00
47.	बाबूलाल शर्मा की मेड़बन्दी	सिकरोडी, गढ़मोडा	825.00	826.00	1,651.00
48.	नीमवाला डाबरा	नीमाला, लालसोट	8,415.00	2,805.00	11,220.00
49.	पीपली वाली तलाई	पीपलीवाला घाट, लालसोट	2,713.00	771.00	3,484.00
50.	देबावाली तलाई	घाटा छाबड़ी, लालसोट	2,883.00	964.00	3,847.00
51.	खोरावाली तलाई	”	17,833.00	5,951.00	23,784.00
52.	रामोतार गुर्जर की मेड़बन्दी	हजारी कुआँ, नादोती	1,440.00	1,444.00	2,884.00
53.	उमराव गुर्जर की तलाई	”	4,400.00	-	4,400.00
54.	हरि गुर्जर की मेड़बन्दी	”	2,208.00	1,472.00	3,380.00
55.	गढ़ की तलाई	गढ़डेरा, लालसोट	3,300.00	1,100.00	4,400.00
56.	तलवाड़ा की तलाई	खाटूम्बर, लालसोट	9,600.00	3,200.00	12,800.00
57.	रामकेश राघेश्याम की मेड़बन्दी	निम्हेड़ा, सपोटरा	3,929.00	3,929.00	7,858.00
58.	कल्याणसिंह की मेड़बन्दी	”	677.00	677.00	1,354.00
59.	भरतलाल की मेड़बन्दी	”	8,411.00	8,412.00	16,823.00
62.	शम्भू गुर्जर की मेड़बन्दी		2073.00	2074.00	4147.00
63.	पतिराम लाटूर शर्मा का जोहड़	”	10,818.00	10,819.00	21,637.00
64.	राघेश्याम, सियाराम का जोहड़		2,900.00	2,917.00	5,817.00
65.	सीताराम रामकिशन जोहड़	”	1,693.00	1,693.00	3,386.00
66.	जगदीश शर्मा का जोहड़	”	9,286.00	9,286.00	18,572.00
67.	रामजीलाल की मेड़बन्दी	खजूरा, सपोटरा	1,296.00	1,296.00	2,592.00
68.	मोरवा का तालाब	”	64,200.00	32,108.00	96,308.00
69.	प्रभुराम चारण की मेड़बन्दी	”	4,878.00	4,879.00	9,757.00
70.	केदार की तलाई	”	1,963.00	-	1,963.00
71.	कल्याण गुर्जर की तलाई	”	4,200.00	-	4,200.00
72.	गिरधारी की तलाई	”	906.00	-	906.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
73.	शिवचरण की तलाई	"	2,869.00	-	2,869.00
74.	गणपत की मेड़बन्दी	"	3,760.00	3,760.00	7,520.00
75.	रामजीलाल परसादी की मेड़बन्दी	"	967.00	967.00	1,934.00
76.	हरेत गुर्जर की मेड़बन्दी	"	1,385.00	1,385.00	2,770.00
77.	रामकरण गुर्जर की मेड़बन्दी	"	1,455.00	1,456.00	2,911.00
78.	घनश्याम हरेत, कर्ण का जोहड़	"	4,414.00	4,414.00	8,828.00
79.	घनश्याम हरेत, कर्ण की तलाई	"	12,075.00	14,758.00	26,833.00
80.	गौ कुण्ड (सार्वजनिक)	पालड़ी, नदोती-करौली	16,456.00	4,794.00	21,250.00
81.	रामजीलाल का एनिकट	"	1,417.00	-	1,427.00
82.	सार्वजनिक एनिकट	"	4,940.00	-	4,940.00
83.	देवीलाल कोली का एनिकट	"	1,200.00	-	1,200.00
84.	रामबाबू का एनिकट	"	6,640.00	-	6,640.00
85.	अलूण्डा माता की तलाई	"	16,456.00	5,494.00	21,950.00
86.	बैरवा की तलाई	जोगपुरा, सपोटरा	15,927.00	5,292.00	21,919.00
87.	हनुमान की तलाई	"	30,850.00	14,700.00	45,550.00
88.	डूंगरी वाला पोखर	चोडक्या, सपोटरा	11,925.00	10,325.00	22,250.00
89.	सूवालाल गुर्जर का एनिकट	भोपारा, सपोटरा	3,190.00	-	3,190.00
90.	रामकरण का जोहड़	भोपारा, सपोटरा	5,547.00	5,547.00	11,094.00
91.	सार्वजनिक तलाई	सिलपुर, सपोटरा	30,270.00	14,760.00	45,030.00
92.	सिलपुरा का ताल	"	4,075.00	-	4,075.00
93.	नारायण का जोहड़	"	4,889.00	4,891.00	9,780.00
94.	सार्वजनिक तालाब	बिरामका, सपोटरा	17,268.00	9,112.00	26,380.00
95.	बिराम का पोखर	"	3,465.00	-	3,465.00
96.	रामजीलाल का जोहड़	बिरामका, मरमादा, सपोटरा	5,879.00	5,879.50	11,758.50
97.	खेड़े नीचे तलाई	नैनियाकी, सपोटरा	69,926.00	46,842.00	1,16,768.00
98.	शीलवाली तलाई	"	31,588.00	10,587.00	42,175.00
99.	हरिमोहन की मेड़बन्दी	"	2,875.00	2,874.00	5,749.00
100.	सुमेर सिंह की मेड़बन्दी	"	2,111.00	2,111.00	4,222.00
101.	धमेन्द्र सिंह की मेड़बन्दी	"	908.00	1,108.00	2,016.00
102.	ब्रजू की मेड़बन्दी	"	3,665.00	3,665.00	7,330.00
103.	राघेश्याम गुर्जर की मेड़बन्दी	"	3,490.00	3,490.00	6,981.00
104.	फतुआ की मेड़बन्दी	"	6,850.00	6,850.00	13,700.00
105.	सार्वजनिक तलाई	"	7,640.00	3,820.00	11,460.00
106.	भगवानसिंह की जोहड़ी	"	37,170.00	17,685.00	54,855.00
107.	जयलाल गणपत का जोहड़	"	4,153.00	5,074.00	9,227.00
108.	गौ कुण्ड तलाई	"	1,02,989.00	51,494.00	1,54,483.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
109.	बृजमोहन की तलाई	"	44,098.00	21,591.00	65,689.00
110.	घौरीलाल का जोहड़	"	2,025.00	2,025.00	4,050.00
111.	प्रभु पण्डित का जोहड़	दौलतपुरा, सपोटरा, करौली	5,725.00	5,726.75	11,451.75
112.	प्रहलाद सेठ का जोहड़	"	6,303.00	6,304.50	12,607.50
113.	रमेश का तल	"	5,743.00	5,743.00	11,486.00
114.	घेर का तालाब	दौलतपुरा	22,429.00	11,214.00	33,643.00
115.	हरि सेठी का तालाब	मरमदा, सपोटरा	9,240.00	9,240.00	18,480.00
116.	जगनाथ की मेड़बन्दी	"	6,065.00	6,066.00	12,131.00
117.	राघेश्याम आदि का जोहड़	"	5,730.00	5,730.00	11,461.00
118.	सार्वजनिक तालाब	"	36,219.00	12,074.00	48,293.00
119.	सार्वजनिक बाँध	"	28,274.00	14,878.00	43,152.00
120.	रामसहाय राजाराम का जोहड़	दरकी, सपोटरा	14,850.00	14,859.00	29,709.00
121.	रामखिलाड़ी रामस्वरूप की मेड़बन्दी	दरकी, सपोटरा	8,300.00	8,305.00	16,605.00
122.	मोत्या आदि का जोहड़	"	6,203.00	6,203.00	12,406.00
123.	हेमराज की मेड़बन्दी	"	16,470.00	16,470.00	32,940.00
124.	कमलसिंह गुर्जर की मेड़बन्दी	"	7,906.00	7,907.00	15,813.00
125.	कमल भैरवा की मेड़बन्दी	"	2,682.00	2,682.00	5,364.00
126.	इमरतीलाल मीना की मेड़बन्दी	"	3,597.00	3,598.00	7,195.00
127.	हरलो मीना अड़ी का जोहड़	"	6,748.00	6,749.00	13,497.00
128.	सुमेर शर्मा की तलाई	भरपुरा, नीम्हेड़ा	6,273.00	6,273.00	12,546.00
129.	बलवीर शर्मा की तलाई	"	7,161.00	7,161.00	14,322.00
130.	बाबूला माली की मेड़बन्दी	"	4,200.00	4,201.00	8,401.00
131.	कमलेश की मेड़बन्दी	"	2,708.00	2,709.00	5,417.00
132.	प्रभु की मेड़बन्दी	"	2,098.00	2,099.00	4,197.00
133.	दयाल माली की मेड़बन्दी	"	1,908.00	1,907.00	3,817.00
134.	मोहनकृष्णा भगवान की मेड़बन्दी	"	9,540.00	9,543.00	19,083.00
135.	बीना, हरि, रामलाल की मेड़बन्दी	"	7,930.00	7,930.00	15,860.00
136.	हुकुमचन्द, मुकुटलाल, कृष्णा की मेड़बन्दी	भरपुरा, सपोटरा	25,250.00	25,252.00	50,502.00
137.	ठण्डी मीना कैलाश का जोहड़	अमरगढ़, सपोटरा	6,490.00	6,504.00	12,994.00
138.	गाँव की तलाई	ऊंचीग्वाड़ी, सपोटरा	4,930.00	4,633.00	9,563.00
139.	बड़ा नाला का एनिकट	"	8,510.00	1,375.00	9,885.00
140.	सार्वजनिक जोहड़	रावतपुरा, सपोटरा	3,440.00	1,720.00	5,160.00
141.	सार्वजनिक जोहड़-॥	"	8,390.00	4,195.00	12,585.00
142.	नया पोखर	"	15,850.00	15,850.00	31,700.00
143.	छाली वाला तालाब	"	7,500.00	6,750.00	14,250.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
144.	बड़ा तालाब	”	6,380.00	6,380.00	12,760.00
145.	हरि सिंह	”	11,846.00	11,846.00	23,692.00
146.	चमन और रामस्वरूप बैरवा पोखर	”	2,357.00	2,357.00	4,714.00
147.	बृजमोहन की मेड़बन्दी	”	2,340.00	2,340.00	4,680.00
148.	रामसिंह का पोखर	”	2,632.00	2,633.00	5,265.00
149.	प्रभु गुर्जर की मेड़बन्दी	”	1,894.00	1,895.75	3,789.75
150.	श्रवण जगन्नाथ की मेड़बन्दी	”	1,636.00	1,637.00	3,273.00
151.	धरमसिंह का एनिकट	रायबेली, सपोटरा	3,100.00	-	3,100.00
152.	कन्हैयालाल गुर्जर की तलाई	”	3,020.00	-	3,020.00
153.	सार्वजनिक धरम तलाई	रायबेली, सपोटरा	20,000.00	10,288.00	30,288.00
154.	प्रसादी आदि का जोहड़	”	3,323.00	3,323.00	6,646.00
155.	नवल, हरिसिंह, मोहन का जोहड़	”	6,812.00	6,812.00	13,624.00
156.	नरसी, जगदीश, आदि का जोहड़	”	6,468.00	6,468.00	12,936.00
157.	गुजारा, प्रीतम, अजारु का जोहड़	रायबेली, सपोटरा	10,459.00	10,460.00	20,919.00
158.	कदम खण्डी गढ़	कल्याणपुरा, दौलपुरा, सपोटरा	2,902.00	2,903.00	5,805.00
159.	विजय राम की मेड़बन्दी	”	9,450.00	9,450.00	18,900.00
160.	जगदीश शर्मा की मेड़बन्दी	”	9,410.00	9,410.00	18,819.00
161.	गणपत मीना की तलाई	”	9,018.00	3,618.00	12,636.00
162.	मोहरपाल गोपाल बलाई का जोहड़	”	21,169.00	21,168.00	42,337.00
163.	हरकेश जोगी की तलाई	आमका झारा, नादोती, करौली	3,200.00	-	3,200.00
164.	बीड़ा वाली तलाई	माचाड़ी, गुढ़ा चान्दकी	4,848.00	2,424.00	7,272.00
165.	श्रीफल आदि की मेड़बन्दी	”	6,785.00	6,785.00	13,570.00
166.	बन्नाराम की तलाई	बूरवाल, नादोती-करौली	3,784.00	3,785.00	7,569.00
167.	गऊ कुण्ड का जोहड़	मोहची, नादोती-करौली	41,117.00	14,138.00	55,305.00
168.	डूंगरवाली तलाई	”	32,764.00	10,936.00	43,700.00
169.	दयाल का एनिकट	मोराची, सपोटरा-करौली	3,260.00	-	3,260.00
170.	रणजीत का एनिकट	”	3,260.00	-	3,260.00
171.	प्रभु बैरवा की मेड़बन्दी	”	1,841.00	1,841.75	3,682.75
172.	राम दयाल शर्मा की मेड़बन्दी	”	4,213.00	2,663.00	6,876.00
173.	राम शरण की तलाई	”	3,020.00	-	3,020.00
174.	हरि मोरछी की जोहड़ी	”	4,635.00	4,635.00	9,270.00
175.	सार्वजनिक जोहड़ी	”	1,890.00	660.00	2,550.00
176.	सार्वजनिक तलाई	घगंगा, नादोती-करौली	92,872.00	29,872.00	1,22,673.00
177.	गोपाल प्रहलाद का जोहड़	बन्धापुरा, सपोटरा	14,727.00	18,001.00	32,728.00
178.	हरकेश रामसहाय	”	5,377.00	6,571.00	11,948.00
179.	हरिया-घतिया की तलाई	”	11,092.00	13,556.00	26,648.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
180.	कमलेश की मेड़बन्दी	"	11,665.00	14,258.00	25,923.00
181.	हजारी बैरवा का जोहड़	अमरगढ़, सपोटरा	8,200.00	8,240.00	16,440.00
182.	प्रेम बैवा का जोहड़	"	4,025.00	4,027.00	8,052.00
183.	बाल गोविन्दा का जोहड़	"	4,650.00	4,651.00	9301.00
184.	घूमस्या वाली तलाई	विशनाथपुरा, खण्डार, स.मा.	17752.00	8876.75	26628.75
185.	हरि गोठिया का जोहड़	घाटा, विशनाथपुरा, खण्डार, स.मा.	31,000.00	31,491.00	62,491.00
186.	लखपत प्रीतम का जोहड़	"	8,600.00	8,620.00	17,220.00
187.	सार्वजनिक टांका	लाँक, बामनवास	5,535.00	1,845.00	7,380.00
188.	मुकुट-गोपाल का जोहड़	भीमपुरा, खण्डार, स.मा.	2,034.00	2,034.00	4,068.00
189.	सार्वजनिक जोहड़	"	19,298.00	9,649.00	28,947.00
190.	घुमसारी जोहड़	"	9,908.00	4954.00	14,862.00
191.	पीली पोखर	"	15,720.00	7,859.00	23,579.00
192.	हरिचरण की मेड़बन्दी	"	10,507.50	10,507.50	21,015.00
193.	ग्यारा का जोहड़	डगर पटड़ी, खण्डार, स.मा.	13,976.00	6,988.00	20,964.00
194.	जगराम का एनिकट	खोयली, नदौती	3,940.00	-	3,940.00
195.	देवी लाल का एनिकट	"	2,640.00	-	2,640.00
196.	गिर्राज का एनिकट	"	5,172.00	1,528.00	6,700.00
197.	हरकेश का एनिकट	"	3,840.00	-	3,840.00
198.	धरम सिंह का एनिकट	"	3,710.00	1,601.00	5,311.00
199.	रतनसिंह का एनिकट	"	10,719.00	4,873.00	15,592.00
200.	सुबद्धी का एनिकट	"	2,317.00	-	2,317.00
201.	देवा वाली तलाई	"	17,178.00	-	17,178.00
202.	रामकिशोर की मेड़बन्दी	"	1,235.00	1,235.00	2,470.00
203.	विनोद की मेड़बन्दी	"	1,600.00	1,601.00	3,201.00
204.	प्रभु लाल की तलाई	"	10,364.00	20,730.00	31,094.00
205.	रघुनाथ मीना की मेड़बन्दी	"	2,691.00	2,691.00	5,382.00
206.	बहादुर गुर्जर की मेड़बन्दी	"	1,490.00	1,490.00	2,980.00
207.	गिर्राज गुर्जर की मेड़बन्दी	मोरा, नादोती	6,226.00	6,227.00	12,453.00
208.	हनुमान की तलाई	हरलोदा, नादोती	35,387.00	11,638.00	47,025.00
209.	मेडारी की तलाई	"	6,786.00	2,264.00	9,050.00
210.	भैरूजी की तलाई	सन्देडी, नादोती	31,215.00	10,420.00	41,635.00
211.	मीना वाली तलाई	हडोडा, नादोती	46,980.00	14,820.00	61,800.00
212.	गोपाल का टांका	डाण्डा, बामनवास	21,200.00	-	21,200.00
213.	शामलाल मुंशी गुर्जर	चीरावाड़ा, नादोती	28,680.00	28,686.50	57,366.50
214.	रामस्वरूप का जोहड़	रत्नों का पुरा, सपोटरा	4,066.00	4,065.50	8,131.50
215.	महेश शर्मा की जोहड़	डूगरी, सपोटरा	10,055.00	10,056.00	20,111.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
216.	खेत तलाई	दयारामपुरा, सपोटरा	9,800.00	9,881.00	19,681.00
217.	कमलेश महेश का जोहड़	"	12,250.00	12,286.00	24,536.00
218.	पीपली वाली तलाई	गोठरा, नादोती	12,002.00	3,473.00	15,475.00
219.	सार्वजनिक तलाई	हटियानी, सपोटरा	16,379.75	5,834.75	22,214.50
220.	नया एनिकट	"	4,890.00	-	4,890.00
221.	बत्तीलाल की जोहड़ी	"	442.00	442.00	884.00
222.	बैरवा की तलाई	"	400.00	186.00	536.00
223.	भगवान सिंह की तलाई	"	3,600.00	-	3,600.00
224.	गोपाल गुर्जर की तलाई	"	2,100.00	2,100.00	4,200.00
225.	कल्याण, बृजमोहन की तलाई	"	3,790.00	3,791.00	7,581.00
226.	हरिभोर केदार की मेड़बन्दी	"	4,305.00	4,306.00	8,611.00
227.	पुण्य कमल की मेड़बन्दी	"	2,023.00	2,023.00	4,046.00
228.	देवीलाल चिरन्जीलाल की मेड़बन्दी	"	10,493.00	10,494.00	20,987.00
229.	मोहरसिंह पूरण की मेड़बन्दी	"	15,800.00	15,872.00	31,672.00
230.	तलावड़ा वाली तलाई	राजाहेड़ा, नादोती	57,228.50	18,569.50	75,798.00
231.	मुट्ठल गुर्जर की मेड़बन्दी	"	10,928.00	10,929.75	21,857.75
232.	रामजीलाल रामसहाय की मेड़बन्दी	"	3,633.00	3,636.75	7,269.75
233.	गंगा सहाय की मेड़बन्दी	"	6,807.00	6,809.00	13,616.00
234.	रामकिशन की मेड़बन्दी	"	6,015.00	6,016.00	12,031.00
235.	गिर्राज कारीगर की मेड़बन्दी	"	6,819.00	6,819.75	13,638.75
236.	बच्चू सिंह की मेड़बन्दी	"	1,00,264.00	11,142.50	1,11,406.50
237.	राजूलाल की मेड़बन्दी	"	3,500.00	3,502.00	7,002.00
238.	श्रवण कुमार की मेड़बन्दी	"	6,708.00	6,709.00	13,417.00
239.	हीरा माली आदि की मेड़बन्दी	"	3,770.00	3,771.00	7,541.00
240.	मूलचन्द गुर्जर की मेड़बन्दी	"	2,080.00	2,083.00	4,183.00
241.	पपीला की मेड़बन्दी	"	3,550.00	3,552.00	7,102.00
242.	हरिसिंह की जोहड़	"	8,824.00	8,824.00	17,648.00
243.	पदमसमय सिंह का जोहड़	"	4,808.00	4,808.00	9,616.00
244.	सुरज्ञान सिंह श्रवण की मेड़बन्दी	"	6,650.00	6,654.00	13,304.00
245.	श्रीफल रामचन्द्र की मेड़बन्दी	"	3,200.00	3,217.00	6,417.00
246.	खोरवा की तलाई	"	20,132.00	6,728.00	26,860.00
247.	रामलाल पुजारी का एनिकट	"	33,775.00	-	33,775.00
248.	थला वाली तलाई	"	54,920.00	27,560.00	81,480.00
	जमुआ रामगढ़ और जयपुर				
249.	डरेडी वाला एनिकट	बस्सी, जमुआ रामगढ़	7,500.00	-	7,500.00
250.	कुण्डली का एनिकट	त्रिलोकपुरा, जमुआ रामगढ़	2,42,149.00	41,698.00	2,83,847.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
251.	त्रिलोकपुरा आमकीवाला बाँध	रायसर, जमुआ रामगढ़	1,880.00	3,760.00	5,540.00
252.	सेडवाला जोहड़	सायपुरा, जमुआ रामगढ़	4,620.00	2,310.00	6,930.00
253.	राड़ा वाला जोहड़	बराणा की ढाणी, जमुआ रामगढ़	5,045.00	2,735.00	7,780.00
254.	अन्धेरी वाली जोहड़ी	दारालाई, जमुआ रामगढ़	2,600.00	1,300.00	3,900.00
255.	पचावीर वाली जोहड़ी	बिरकडी की ढाणी, रायसर, जमुआ रामगढ़	24,258.00	12,129.00	36,387.00
256.	बन्जारा जोहड़	अनूपपुरा, जमुआ रामगढ़	40,454.00	20,227.00	60,681.00
258.	कोल्या की तलाई	जगतपुरा, जमुआ रामगढ़	15,400.00	7,247.00	22,647.00
259.	बोलाई का जोहड़	रामल्ला, जमुआ रामगढ़	4,893.00	2,362.00	7,255.00
260.	भोमिया की तलाई	देवीताला, रायसर, जमुआ रामगढ़	10,072.50	5,129.50	15,202.00
261.	ब्रह्मा जी माता के नीचे का कुण्ड	गढबस्सी, थानागाजी	96,205.00	-	96,205.00
262.	गढ़ी मामोड कुण्ड	गढ़ी-खरकड़ी, थानागाजी	14,050.00	-	14,050.00
263.	रावला एनिकट	बाछड़ी, थानागाजी	750.00	-	750.00
264.	बरण काला का जोहड़	सिलिबावड़ी, थानागाजी	45,000.00	300.00	45,300.00
265.	पहाड़ के नीचे का जोहड़	”	5,143.00	1,700.00	6,843.00
266.	खजूरी वाला बाँध	ग्याराकीढाणी,समारा,थानागाजी	3,32,613.00	6,297.00	3,38,910.00
267.	नरेटा का बेड़ा ऊपर वाला एनिकट	बाली की ढाणी, थानागाजी	73,835.00	-	73,835.00
268.	नरेटा के नीचे वाला बाँध	गढ़-बस्सी, थानागाजी	81,005.00	3,815.00	84,820.00
269.	भैरु सहाय जी का बाँध	जैतपुर, थानागाजी	4,845.00	1,715.00	6,560.00
270.	भौरेलाल जी बलाई का एनिकट	बाछड़ी, थानागाजी	2,900.00	-	2,900.00
271.	सुगना एनिकट	पुरिया ग्वाड़ा, थानागाजी	13,900.00	-	13,900.00
272.	भोमियां वाला एनिकट	गढ़-बस्सी, थानागाजी	15,310.00	-	15,310.00
273.	श्यामी की बावड़ी	”	8,340.00	-	8,340.00
274.	गोरयावाला जोहड़	नागलहेड़ी, थानागाजी	487.00	163.00	650.00
275.	दामोदर जी का गोचर	अंगारी खो-की-ढाणी, थानागाजी	5,000.00	-	5,000.00
276.	छोटेलाल शर्मा की मेड़बन्दी	जोधावास, थानागाजी	1,693.00	3,386.00	5,079.00
277.	रामचन्द्र गुर्जर का जोहड़	दुहरमाला, थानागाजी	3,165.00	6,331.00	9,496.00
278.	छीलावाला बाँध	हमीरपुर, थानागाजी	2,140.00	4,282.00	6,422.00
279.	बिलावड़ा खेत का बाँध	”	1,231.00	2,463.00	3,694.00
280.	करिला का बाँध, रूड़ाराम	”	878.00	1,756.00	2,634.00
281.	क्यारी वाला बाँध, रूड़ाराम	”	1,195.00	2,390.00	3,585.00
282.	गंगाराम का जोहड़	काला लाका, थानागाजी	14,850.00	4,950.00	19,800.00
283.	मदु काली का जोहड़	निजारा, समारा, थानागाजी	6,612.00	-	6,612.00
284.	मोडीयाल जोहड़	ग्वाड़ा देवारी, धर्मरिट, थानागाजी	9,736.00	3,246.00	12,982.00
285.	बलायोंवाला जोहड़	रायपुरा, थानागाजी	6,850.00	-	6,850.00
286.	”	”	8,050.00	-	8,050.00

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
287.	गुलर पीपल वाला बाँध	राह-का-माला, थानागाजी	56,063.00	32,963.00	39,026.00
288.	हनुमान मीना, बछड़ी	बछड़ी, थानागाजी	3,400.00	-	3,400.00
289.	राम तलाई जोहड़	खरकड़ी, थानागाजी	11,062.00	5,331.00	16,393.00
290.	खारड़ा का एनिकट	निजरा, थानागाजी	44,460.00	-	44,460.00
291.	रावड़ का जोहड़	मालुताना, थानागाजी	13,480.00	6,740.00	20,220.00
292.	महिला घाट	भाँवता, थानागाजी	3,340.00	-	3,340.00
293.	ढ़ेर वाला एनिकट राजगढ़	सिलिबावड़ी, थानागाजी	5,400.00	-	5,400.00
294.	चावा का बास का एनिकट	चावा का बास, राजगढ़	3,900.00	-	3,900.00
295.	बालक नाथ का कुण्ड	राजौरगढ़, राजगढ़	4,275.00	-	4,275.00
296.	पानी की टंकी वाप्ते सिमेन्ट	तिलदेह, राजगढ़	1,500.00	-	1,500.00
297.	कुबाण्या वाला बाँध	राजौर गढ़, राजगढ़	35,400.00	10.915.00	46,315
298.	कलाखेत सुखसागर	ग्वाड़ा देवारी, राजगढ़	9,145.00	5,100.00	14,245.00
299.	छल्का बाबा का जोहड़	जाटोली मोहमदपुरा, मालाखेड़ा, राजगढ़	5,126.00	2,563.00	7,689.00
300.	काली डबाला का जोहड़	बाकाका घामरेड़, राजगढ़	5,247.00	2,623.00	7,870.00
301.	जोबनेर माता का जोहड़	मधुरावट, राजगढ़	5,422.00	2,710.00	8,132.00
302.	गॉडाली सार्वजनिक जोहड़ी	ऊमरी, राजगढ़	34,923.00	7,400.00	42323.00
303.	मुकेश शर्मा का जोहड़	चावा का बास, राजगढ़	3,621.00	7,240.00	10,861.00
304.	गांडर वाला जोहड़	मांडलवास, राजगढ़	17,375.00	8,628.00	26,003.00
305.	बन्दी दह सरसा नदी पर एनिकट	लिल्या, धीरोड़ा, राजगढ़	3,20,730.00	-	3,20,730.00
306.	गुर्जर वाली तलाई	लिल्या, राजगढ़	6,050.00	3025.00	9,075.00
307.	फूलनाथ के खेत का जोहड़	देवारी, राजगढ़	6,830.00	2,276.00	9,106.00
308.	सार्वजनिक जोहड़	नागल चांन्दे, राजगढ़	34,738.00	17,369.00	52,107.00
309.	रामसागर जोहड़	दौसा	6,356.00	2,119.00	8,475.00
310.	मनशा वाला जोहड़	नाघूसा, बांसूर	6,903.00	3,451.00	10,354.00
311.	कंचन देवी की मेड़बन्दी	नीम्हेड़ा	10,577.00	10,577.00	21,154.00
312.	रामसिंह गुर्जर की मेड़बन्दी	"	1,018.00	1,019.00	2,037.00
313.	मोटवा वाली तलाई	नैनियाकि	1,850.00	1,850.00	3,700.00
314.	झालाका बाँध	चेची की ढाणी, धोला	27,096.00	13,548.00	40,644.00

पी.एच.डी.आर.डी.एफ. दिल्ली के सहयोग से किये गये कार्यों की सूची :

क्रं.सं.	निर्माण कार्य का नाम	गाँव	तभासं का योगदान	श्रमदान	कुल लागत
1	परीवाला बाँध	नयागाँव खेड़ी	1,08,929.00	54,464.00	1,63,393.00
2	पापड़ावाला बाँध	लावा का बास	8,03,621.00	1,22,880.00	9,26,501.00
3	फूटा बाँध	भाँगडोली	6,20,880.00	16,580.00	7,9460.00
4	बजनी पारीक वाला जोहड़	द्वारापुर	9,933.00	4,966.00	14,899.00
5	सुमेरवाली जोहड़	क्रास्का	24,469.00	5,000.00	29,469.00
6	भाकुण्डा वाला बाँध	टोडली	1,66,038.00	83,020.00	2,49,058.00
7	फोटका वाला बाँध	कारोली	2,51,606.00	91,617.00	3,43,223.00
8	सार्वजनिक जोहड़	सीया का बास	6,000.00	3,001.00	9,001.00
9	सुकाला घाटी का जोहड़	देवाना	6,000.00	3,952.50	9,952.00
10	झूमली का जोहड़	लागडीपुरा	17,179.00	8,589.00	25,768.00
11	अमर सिंह का एनिकट	महुआ	2,286.00	-	2,286.00
12	मौहल्ला मुण्डावरा का जोहड़	बालेटा	4,000.00	2,037.00	6037.00
13	घाटी वाला जोहड़	मांचा	18,732.00	-	18,732.00
14	करिरिया का बाँध	करिरिया	2,25,425.00	1,28,239.00	3,53,614.00

लावा का बास जोहड़ को देखते हुए श्री एम.एस. स्वामीनाथन, एन.सी. सक्सैना तथा जोहड़ बनाओ समिति के सदस्य

सीडा के सहयोग से किये गये जल संरक्षण कार्य :

क्र.सं.	कार्य का नाम	गाँव का नाम	जिला	संस्था का योगदान	सहयोग राशि	कुल लागत
1.	सार्वजनिक बाँध	माचा	अलवर	6,560.00	6,560.00	13,120.00
2.	सिलिबेड़ी बाँध	सरिस्का	अलवर	50,751.00	50,751.00	1,01,502.00
3.	सधाला बाँध	अमरा का बास	अलवर	6,040.00	2,000.00	8,040.00
4.	जय सागर एनिकट	धीरोड़ा	अलवर	2,43,021.00	81,007.00	3,24,028.00
5.	राम तलाई	टहला	अलवर	6,635.00	3,320.00	9,955.00
6.	रूपनाथ जी कुण्ड	देवरी	अलवर	52,000.00	2,50,000.00	3,02,000.00
7.	हनुमान जी का कुण्ड	नांगल बनी	अलवर	13,000.00	6,000.00	19,000.00
8.	रामघाट बाँध	रोजदा	जयपुर	5,10,480.00	1,27,620.00	6,38,100.00
9.	सदा का जोहड़	डगोता	जयपुर	8,450.00	4,225.00	12,675.00
10.	बाद यादगार तालाब	यादगारपुरा	जयपुर	60,440.00	30,220.00	90,660.00
11.	सार्वजनिक जोहड़	लसारिया	जयपुर	37,425.00	12,475.00	49,900.00
12.	ऊँचा बाँध	कॉन्द्रा	दौसा	48,070.00	24,035.00	72,105.00
13.	बहगोड़ा का तालाब	लाका	दौसा	17,086.00	8,543.00	25,629.00
14.	चरागाह की तलाई	छौपुरी	दौसा	49,729.00	24,864.00	74,593.00
15.	ऊपरलो तलाई	होदेली	दौसा	67,467.00	33,734.00	1,01,201.00
16.	सार्वजनिक बाँध	चौकरियाला	दौसा	50,735.00	25,367.00	76,102.00
17.	चरागाह का बाँध	तीतरवाड़ा	दौसा	30,694.00	10,230.00	40,924.00
18.	गाँव का तालाब	गुलाबपुरा	टोंक	30,000.00	20,000.00	50,000.00
19.	वाख्या खाल एनिकट	लक्ष्मीपुरा	टोंक	22,079.00	33079.00	
20.	हनुमान की तलाई	सरदनाथन	बीकानेर	39,802.00	19,900.00	59,702.00
21.	लिख्या वाले तलाई	जालकाली	बीकानेर	37,963.00	19,000.00	56,963.00
22.	मोतोलाव का तालाब	नोखडा	बीकानेर	8,062.00	4,030.00	12,092.00
23.	आदोलाई तलाई	मोटोवाटा	बीकानेर	3,030.00	1,000.00	4,030.00
24.	हनुमान तलाई	मैनगाँव	बीकानेर	25,000.00	12,500.00	62,500.00
25.	मल्लुलाई तलाई	मोडिया	बीकानेर	31,200.00	15,600.00	46,800.00
26.	बीरालाई तलाई	नोखाडा	बीकानेर	48,800.00	24,400.00	67,200.00
27.	ठकुराई तलाई	दईया	बीकानेर	42,137.00	21,070.00	63,207.00
28.	अमरसर तलाई	मोटोवाटा	बीकानेर	14,860.00	7,430.00	22,290.00
29.	रामदास की तलाई	बैतनाहो	बीकानेर	51,827.00	25,913.00	77,740.00
30.	हिंग्लाज माता की जोहड़ी	गंगावास	बीकानेर	37,871.00	18,935.00	56,806.00
31.	गोपाल गुजर की तलाई		करौली	8,320.00	4,160.00	12,480.00
32.	मोती मीना की तलाई		करौली	11,680.00	5,840.00	17,520.00
33.	राम तलाई	किशनगढ़	अजमेर	12,754.00	4,250.00	17,004.00

आयरलैण्ड के सहयोग से निर्माण की सूची

क्र.सं.	ढाँचे का नाम	गाँव का नाम	जिला	संस्था का सहयोग	सहयोग राशि	कुल लागत
1.	पीपली वाला बाँध	सरिस्का	अलवर	16,0899.00	80,450.00	
2.	देवे वाला बाँध/ फूटा वाला बाँध	सरिस्का	अलवर	19,790.00	19,790.00	

कपार्ट के सहयोग से स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ किये गये कार्य

क्र.सं.	संस्था का नाम	जिला	ढाँचे का नाम	गाँव का नाम	तभासं. का योगदान
1.	महिला हस्त शिल्प समिति	बीकानेर	अम्बोलाई तालाब	नोखड़ा	65,627.00
			बड़ापार तालाब	नोखड़ा	84,533.00
			झिनझिनिया तालाब	नोखड़ा	1,18,556.00
			मदलाई तालाब	जंगलू	13,477.00
			रामू दादा की नाड़ी	मोटवाटा	41,002.00
			रामदास की तलाई	बैठनॉक	53,990.00
			विजयश्री तालाब	नोखड़ा	83,659.00
			रामोलाई तालाब	नोखड़ा	18,866.00
			मैधोलाई की तलाई	पतावता	15,450.00
			सद्भावना की तलाई		59,011.00
2.	ग्रामीण विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान	जयपुर	नया एनिकट	गुढ़ाहरोका	95,572.00
			अर्थन जोहड़	लोठवास	46,116.00
3.	चौबिस्सा क्षेत्रीय खादी ग्रामोद्योग	करौली	सिद्धबाबा का एनिकट	जथावाड़ा	23,396.00
4.	योगी सेवा संस्थान, उरसेवा	जयपुर	कुम्हारिया की नाड़ी	पालू	56,252.00
			सार्वजनिक जोहड़	पालूकाला	25,636.00
5.	महिला एवं पर्यावरण विकास, संस्थान, मोजमाबाद	जयपुर	डोकरीवाला जोहड़	डोगरा	30,723.00
6.	नेहरु नवयुवक मंडल, देशमा	टोंक	डांडवाली नाड़ी		29,305.00
			बैरवा वाली नाड़ी	गंवार	51,202.00
			बड़ा तालाब	मिलकपुरा	61,714.00
			चरागाह की नाड़ी	पीपल्या	80,997.00
			रामसागर	रेहलया	41,683.00
			कल्याण सागर	देशमा	21,083.00
			चरागाह की नाड़ी	वालापुरा	30,225.00

क्र.सं.	संस्था का नाम	जिला	ढाँचे का नाम	गाँव का नाम	तभासं. का योगदान
7.	संघर्ष संस्थान, धांधोलाई	जयपुर	मुरारिया की नाड़ी	बेनीकेड़ा	19,963.00
8.	सामाजिक कार्य एवं ग्रामीण विकास संस्थान, लापोड़िया	जयपुर	धाकोलाई नाड़ी	डोगरा	25,955.00
9.	खेती एवं गाँव विकास संस्थान, उरसेवा	जयपुर	रघुनाथ सागर	पालाड़ी	52,007.00
			नाहरिया की नाड़ी	पालड़ी	45,889.00
			चैराई की नाड़ी	नवरंगपुरा	8,315.00
			चेकवाली नाड़ी	थाली	34,240.00
10.	चेतना संस्थान	अलवर	स्कूल वाली जोहड़	नारायणी माता	8,861.00
			बलदेव गढ़ जोहड़ी	नारायणी माता	3,975.00
11.	सेवाईजन नायला	जयपुर	मीना वाला बाँध	नायला	20,370.00
			बड़ा वाला बाँध	नायला	1,63,320.00
12.	तरुण भारत संघ	अलवर	पीरवाला तलाई	भीनावाला	12,262.00
			सार्वजनिक एनिकट	गंगाधरपुरा	27,753.00

गुढ़ा किशोरदास की महिला-समूह की सदस्य श्रमदान करती हुईं

AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2002 of M/s. TARUN BHARAT SANGH, JAIPUR (Activities from Bheekampura Kishori, Distt. : Alwar) and also the consolidated Income & Expenditure Account and Receipt & Payment Account for the year ended on 31st March, 2002 from the books of accounts, vouchers & other relevant records produced before us for our examination. These financial statements are the responsibility of the Institution's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those Standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free of material misstatement. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates & valuation of material made by management, as well as evaluating the overall financial statement presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

We report that :

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit.

(ii) In our opinion, proper books of account as required by law have been kept by the institutions so far as appears from our examination of those books.

(iii) The Balance Sheet, Income & Expenditure and Receipt & Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of account.

(iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said accounts give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:

(c) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institution as at 31st March, 2002; and

(d) in the case of the Income & Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

FOR GOYAL ASHOK & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS

Sd/-
(A.K. GOYAL)
PROPRIETOR

JAIPUR
DATE : 12 JULY, 2002

TARUN BHARAT SANGH
CONSOLIDATED BALANCE SHEET AS ON 31.03.2002

LIABILITIES		AMOUNT	ASSETS	AMOUNT
General Reserve			**Fixed Assets**	
As Per Annexure "A"		11,308,385.94	As per Annexure "C"	7,680,528.79
Unutilised Grant of Projects to be				
Utilised in Next Year			Cash in Hand	636,601.50
As per Annexure "B"		6,228,101.28		
Outstanding Expenses		8,943.15	**Cash at Bank**	
Maruti Udyog		18,965.89	As per Annexure "D"	5,718,285.30
Current Liabilities			**Grant Receivable From**	
Jain Kirana Store	5,544.50		P.H.D. Rural Development Deptt.	
Surajmal & Brothers	5,974.00		Delhi	283,301.00
Previous year Advance	1,802.45	13,320.95	International Service Society, USA	374,837.00
			CSWB (Creche Programme)	303,650.00
Advance Receipt		60,000.00	Capart Project	1,484,976.00
(Against sale of Truck)				
			Advance given to Workers and others	1,127,824.62
TDS Payable				
A.Y. 2001-2002	402.00		Shri Shankar Lal	40,000.00
A.Y. 2002-2003	11,885.00	12,287.00	(Due Against Sale of Tractor)	
		17,650,004.21		**17,650,004.21**

Notes on Accounts As per Annexure "E"

As Per our Report of even date
General Secretary

For Tarun Bharat Sangh

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

Sd/-
General Secretary

Sd/-
(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated : 12 JULY, 2002

TARUN BHARAT SANGH
CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2002

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To Physical Work		By Unutilised Balance b/f	2,913,788.55
Earthan Dam/Anicut Johad	10,065,036.42		
		By Grant Received from	
To Training Programme		Ford Foundation, U.S.A.	1,177,579.00
Field Staff Development Training	145,440.00	OXFAM (INDIA) Trust	200,000.00
Education Training	144,786.00	Embassy of Sweden (SIDA), New Delhi	6,050,000.00
		Award received from Diwali Ben	
To Awareness Camp Resources Programme		M.M. Charitable Trust	300,000.00
Camp, Workshop, Exposure Visit, Foot March,		Other Contribution (Foreign)	2,292.00
Village Meeting,		Embassy of Ireland	476,100.00
Campaigns	2,694,233.50	CAPART, For Y P Project	24,000.00
		P.H.D. Delhi	1,569,453.00
To Documentations		(UNDP) Rural Development Ministry	9,121,040.00
Case Study, Books, Poster Printing,			
Photography, Documentary Film	841,689.75	IEPP	6,500.00
To School Building	426,342.00	By Misc., Receipts	39,985.00
		By Bank Interest	26,129.00
To Health Programme		By Sale of Books	33,543.00
Medicine	4,794.50	By Donation Received	606,101.00
Nutrition	114,837.50	By Sale of Jeep	71,000.00
Land Development	6,400.00		
Donations	213,118.00		
Agriculture Expenses	5,759.00		
Lodging & Boarding	530,836.00		
To Administrative Expenses			
Insurance	14,893.00		
Honorarium	1,941,870.00		

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
Vehicle Running & Maintenance	492,825.75	**By Amount Charged from Various Projects**	
Bank Charges & Commission	45,755.00	Lodging & Boarding Charges Received	1,429,606.00
Audit Fees	5,000.00	Transportation	648,642.00
Advertisement	1,330.00	Administration Charges	144,247.00
Electricity & Light Expenses	38,952.00	By Grant Receivable from	
Postage & Stationery	21,023.50	CAPART	1,484,976.00
Telephone Expenses	39,711.00	PHD RDF	283,301.00
Overhead Expenses	720,231.50	CSWR, New Delhi	258,720.00
Misc. Expenses	76,137.75		
Travelling Expenses	16,320.50		
To Capital Expenditure Transferred			
To General Reserve			
Office Equipment	1,098,970.00		
Office Furniture	7,470.00		
Vehicle	88,374.00		
Computer	59,000.00		
To Unutilised amount of Projects to be			
Utilised in next year	6,228,101.28		
To Surplus	777,764.60		
	26,867,002.55		**26,867,002.55**

As Per our Report of even date
General Secretary

For Tarun Bharat Sangh

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

Sd/-
General Secretary

Sd/-
(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated : 12 JULY, 2002

TARUN BHARAT SANGH
CONSOLIDATED RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2002

RECEIPTS	AMOUNT	PAYMENTS	AMOUNT
To Opening Balance		**By Physical Work**	
Cash in Hand	423,574.50	Earthan Dam/Anicut Johad	10,065,036.47
Cash at Bank		**By Training Programme**	
The Bank of Raj. Ltd., Jaipur	1,527,471.96	Field Staff Development	145,440.00
Alwar Bharatpur Anchlik Gramin Bank, Kishori		Education Training	144,786.50
A/c No. 764	710,786.39	**By Awareness Programme**	
A/c No. 2459	554,792.00	Camp, Workshop, Exposure Visit Pad Yatra,	
A/c No. 2330	1,087.00	Village Meeting,	
Fixed Deposit	863,893.00	Campaigns	2,694,233.50
SBBJ, Thanagaji	671.67	**By Documentations**	
PNB, Umrain	148.00	Case Study, Books,	
The Bank of Raj. Ltd., Rieali	702.00	Poster Printing Photography, documentary Film	841,689.75
Arawali Kshetriya Gramin Bank, Mora		By School Building	426,342.00
A/c No. 3053	1,291.00	**By Health Programme**	
A/c No. 3123	527.00	Medicine	4,794.50
To Grant Received from		Nutrition	114,837.50
Ford, Foundation, U.S.A.	1,177,579.00	By Donations	213,118.00
OXFAM (India) Trust	200,000.00	By Lodging & Boarding	530,836.00
Embassy of Swedan (Sida)		By Agricultural Expenses	5,759.00
New Delhi	6,050,000.00	By Land Development	6,400.00
International Service Society, U.S.A.	150,000.00	**By Administrative Expenses**	
Embassy of Ireland	476,100.00	Insurance	14,893.00
CSWB , New Delhi	129,360.00	Honorarium	1,941,870.00
P.H.D., R.D.F. Deptt., New Delhi	1,817,550.00	Vehicle Running & Maintenance	492,825.75
UNDP, Rural Development Ministry	9,121,040.00	Bank Charges and Commission	45,755.50
Foreign Contribution (Others)	2,292.00	Audit Fees	5,000.00
Grant Received from CAPART for Y P Programme	24,000.00	Electricity Expenses	38,952.00
Implimention of Training Programme Under IEDP	6,500.00	Postage & Stationery	21,023.50
To Award Received from Bombay	300,000.00	Telephone Expenses	39,711.00
To Miscellaneous Receipts	39,986.00	Advertisement	1,330.00
To Bank Interest	26,129.00	Overhead Expenses	720,231.50
To Sale of Books	33,543.00	Misc. Expenses	76,137.75
To Donations Received	606,101.00	Travelling Expenses	16,320.50
To Sale of Jeep	60,000.00	By Advance Given to Workers and Others	446,521.00

RECEIPTS	AMOUNT	PAYMENTS	AMOUNT
To Amount Charged from various Project		By Advance return to Others	2,240.00
Lodging & Boarding Charges	1,429,606.00	By TDS Deposited (A.Y. 2001-2002)	18,005.00
Transportation	648,642.00	**By Capital Expenditure**	
To Administration Charges Received	144,247.00	Office Building	1,098,970.00
To Advance Receipt From Workers & Others	83,286.00	Furniture	7,470.00
To Advance Receipts	60,000.00	Computer	59,000.00
(Against Sale of Truck)		Vehicle	88,374.00
To TDS	11,885.00	**By Closing Balance**	
		Cash in Hand	636,601.50
		By Cash at Bank	
		The Bank of Raj. Ltd., Jaipur	3,973,508.74
		Alwar Bharatpur Anchlik Gramin Bank	
		Kishori	
		A/c No. 764	284,765.39
		A/c No. 2459	16,134.00
		A/c No. 2330	276,070.50
		Kishori	
		PNB Umarin	148.00
		Fixed Deposit (GBK)	863,893.00
		SBBJ, Thanagaji	671.67
		The Bank of Rajasthan Ltd. Riwali	1,296.00
		Arawali Kshetriya Gramin Bank, Mora	
		A/c 3053	1,291.00
		A/c 3123	507.00
		Centurian Bank	300,000.00
	26,682,790.52		**26,682,790.52**

As Per our Report of even date
General Secretary

For Goyal Ashok & Associates
Chartered Accountants

Sd/-
(A.K. Goyal)
Proprietor

Place : Jaipur
Dated : 12 JULY, 2002

For Tarun Bharat Sangh

Sd/-
General Secretary

TARUN BHARAT SANGH
FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2002

General Reserve	Annexure "A"
Opening Balance	10,276,826.99
Add : Assets Purchased during the year	1,253,814.00
Surplus during the year	777,764.60
	12,308,405.59
Less : Cost of Jeep Sold	274,312.00
Old Assets Written off	725,707.65
	11,308,385.94

Unutilised Grant	Annexure "B"
Embassy of Ireland	297,610.78
Embassy of Sweden (Sida)	4,121,534.50
UNDP	1,801,976.75
NRE	6,294.00
Contribution (Other)	685.25
	6,228,101.28

Cash & Bank Balance		Annexure "D"
(A) Cash in Hand		
UNDP		121,139.25
CAPART		25,110.00
NRE		6,294.00
Head Office		329,923.00
Foreign Project		154,135.25
		636,601.50
(B) Cash at Bank		
Alwar Bharatpur Anchlick Gramin Bank		
A/c No. 764	284,765.39	
A/c No. 2459	16,134.00	
A/c No. 2330	276,070.50	576,969.89
Fixed Deposit		863,893.00
PNB, Umrain		148.00
SBBJ, Thanagaji		671.67
The Bank of Rajasthan Ltd., Jaipur		3,973,508.74
The Bank of Rajasthan Ltd., Riwali		1,296.00
Arawali Kshetriya Gramin Bank		
A/c No.3123	507.00	
A/c No.3053	1,291.00	1,798.00
Centurian Bank, Jaipur		300,000.00
		5,718,285.30

TARUN BHARAT SANGH
FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2002

FIXED ASSETS **ANNEXURE "C"**

Particulars	Balance as on 01.04.2001	Addition During The Year	Sold/Written Off During The Year	Total As On 31.03.2002
Land & Building	3,050,771.97	1,098,970.00	–	4,149,741.97
Machinery	113,404.50	–	41,613.00	71,791.50
Electricity Fitting	51,320.80	–	–	51,320.80
Utencils	16,363.02	–	–	16,363.02
Cattles	4,225.00	–	4,225.00	–
Furniture	268,068.52	7,470.00	133,518.90	142,019.62
Surgical Equip.	338,525.43	–	61,860.43	276,665.00
Generator Expenses	142,481.85	–	–	142,481.85
Ambulance	231,000.00	–	–	231,000.00
Other Equipments	76,161.00	–	26,708.32	49,452.68
Motor Cycles	476,019.00	–	88,762.00	387,257.00
Fans	13,405.25	–	–	13,405.25
Typewriters	6,230.00	–	6,230.00	–
Musical Instrument	1,430.00	–	1,430.00	–
Tata Truck	298,972.00	–	–	298,972.00
Jeeps	1,474,392.00	88,374.00	274,312.00*	1,288,454.00
Photo Copier	130,853.55	–	–	130,853.55
Tractors	182,041.00	–	–	182,041.00
Computers	378,218.00	59,000.00	245,088.00	192,130.00
Cameras	47,250.00	–	7,250.00	40,000.00
Cycle	1,030.00	–	1,030.00	–
Fax Machine	34,900.00	–	34,900.00	–
Gas Cylinders	8,092.00	–	8,092.00	–
Gysers	3,735.00	–	–	3,735.00
Mixer Grinder	3,200.00	–	–	3,200.00
Spinning Machine	65,000.00	–	65,000.00	–
Carpet	9,643.75	–	–	9,643.75
	7,426,733.64	**1,253,814.00**	**1,000,019.65**	**7,680,527.99**

* Sold During the Year

For Tarun Bharat Sangh

Sd/-
General Secretary

TARUN BHARAT SANGH
FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.2002

ANNEXURE "E"

NOTES ON ACCOUNTS FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2002.

1. The accounts are being prepared on historical cost basis and as a going concern. Accounting policies not referred to otherwise are in consistent with the generally accepted accounting principles.

2. The accounts are being prepared on accrual basis.

3. The Head Office of the Institution has incurred and charged certain amounts from various projects under the following heads :

a. Lodging & Boarding	14,29,606.00
b. Transportation/Jeep fare	6,48,642.00
c. Administration charges	1,44,247.00

Accordingly, on the one side, such expenses have been shown as expenses under, individual projects and on the other side, the Head Office of the Institution has treated these amounts as its income.

4. No depreciation has been charged on the fixed assets.

5. In some projects, the Institution has incurred expenses as per scheme of the project despite non receipt of grant amount from funding agencies. As such, a sum of Rs. 24,46,764 are outstanding as grant receivable.

6. The institution has written off old & unuseful fixed assets amounting of Rs. 7,25,707.65 as per resolution passed in governing Board's Meeting held on dated 02.06.2002. Accordingly their amount has been reduced from General Reserve.

7. The Institution has sold out a Jeep costing Rs. 2,74,312.00 of Rs. 71,000.00. Difference between cost of jeep & sold amount has been adjusted out of General Reserve.

For Tarun Bharat Sangh

Sd/-
General Secretary

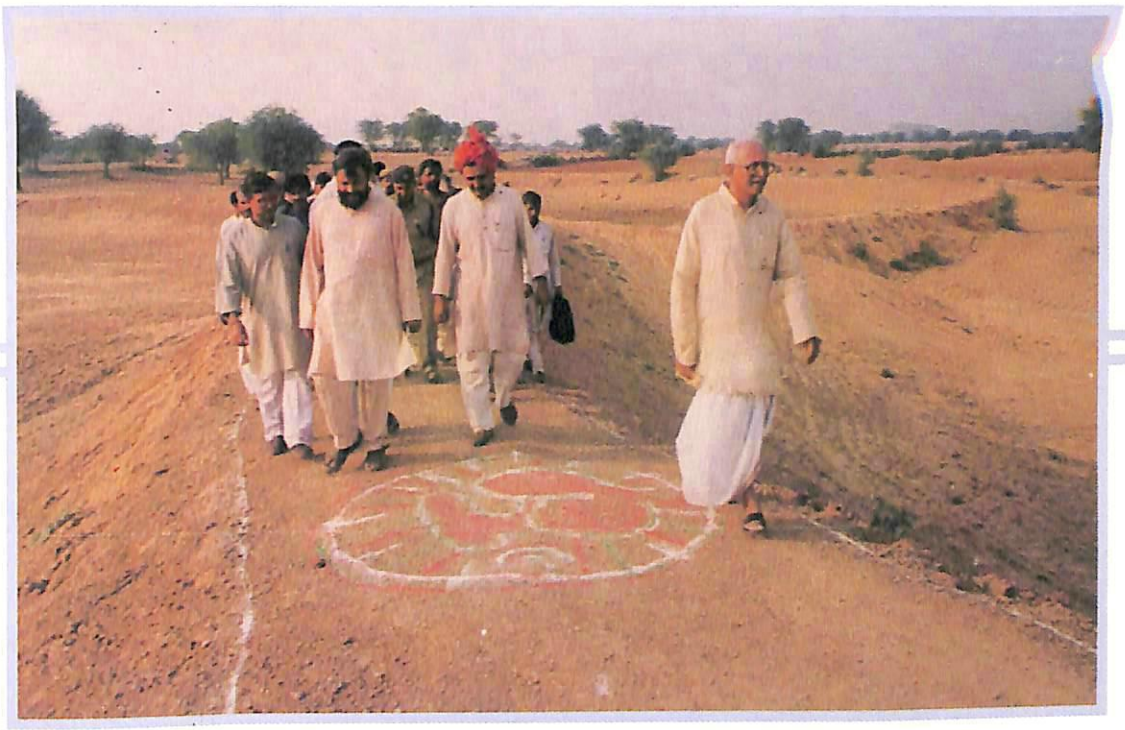

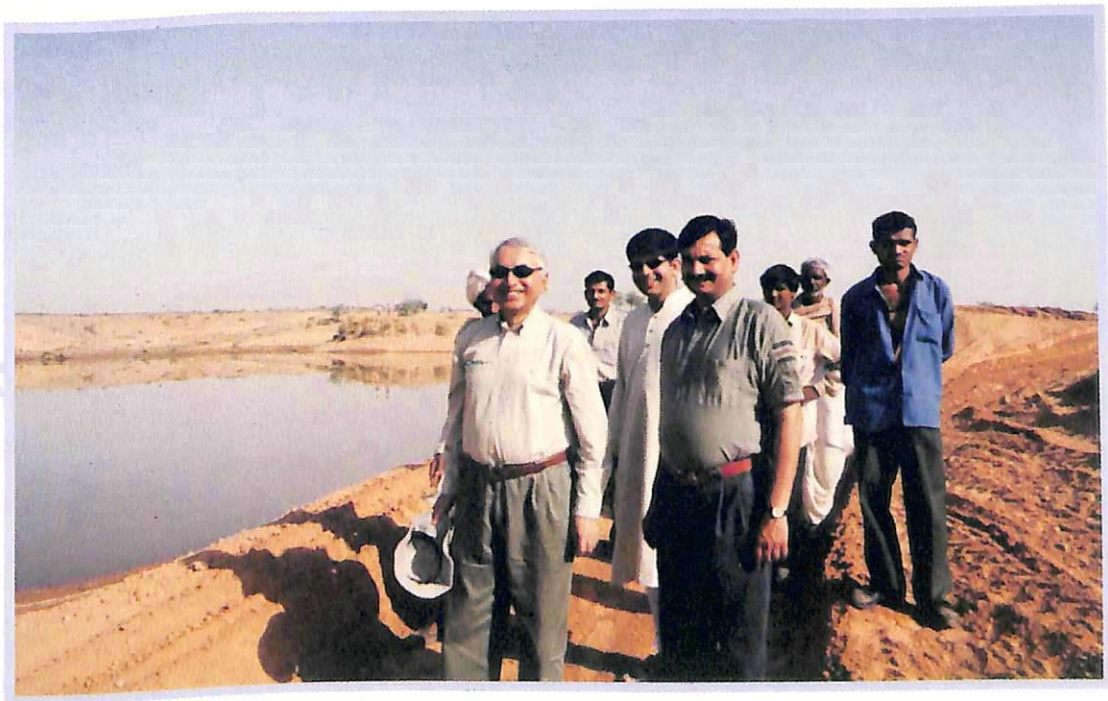

तरुण भारत संघ

भीकमपुरा – किशोरी, वाया : थानागाजी
जिला : अलवर – 301022 (राजस्थान)
फोन नं. : (01465) 25043
ई–मेल : watermantbs@yahoo.com
Website : www.tarunbharatsangh.com

Design & Printed at Kumar & Company, Jaipur